

सतना

08 अप्रैल 2026
बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

जम्मू-कश्मीर में 16 साल से फरार पाकिस्तानी आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा टेरर मांड्यूल से जुड़े कुल 5 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें से दो पाकिस्तानी आतंकी हैं, बाकी उनके मददगार हैं। एक आतंकी की पहचान अब्दुल्ला उर्फ अबू हेरारा के रूप में हुई है। अब्दुल्ला 16 साल से फरार था। वहीं, दूसरा पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सेंट्रल एजेंसिया भी इस ऑपरेशन में शामिल थीं। जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा समेत 19 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया। कुछ सामान भी बरामद किया। जांच में रूझ के एक नेटवर्क का पता चला, जो आतंकीवादियों को लॉजिस्टिक्स और फाइनेंशियल मदद करता था।

बॉर्डर पार हैडलर्स के संपर्क में थे तीन मददगार : अधिकारियों के मुताबिक, पकड़े गए पांच लोगों में श्रीनगर के तीन लोग शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकीवादियों को पनाह और खाना समेत लॉजिस्टिक मदद देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

हिमाचल में बारिश से कई जगह लैंडस्लाइड, कुल्लू में कार पर गिरे पत्थर

चंबा में पुल टूटा, लाहौल में वाहन पर चट्टान गिरने से दंपती घायल



कुल्लू, चंबा, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में एक सप्ताह से हो रही बारिश से जगह-जगह लैंडस्लाइड की घटनाएं पेश आ रही हैं। कुल्लू के बरेशी में बीती रात को एक चलती कार पर पहाड़ी से मलबा आ गया। इससे कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

वहीं चंबा के भरमौर में आज सुबह पहाड़ी गिरने से निर्माणाधीन सिंघूर पुल क्षतिग्रस्त हो गया। लाहौल स्पीति के मोसुमा थुपु कुरकुर में सोमवार दोपहर बाद पहाड़ी से गिरे बड़े पत्थर से पश्चिम बंगाल का दंपती घायल हो गया।

चंबा में सिंघूर पुल रावी नदी में समाया : वहीं चंबा में आज सुबह आठ भरमौर और होली क्षेत्र को जोड़ने वाला निर्माणाधीन सिंघूर पुल रावी नदी में समा गया। इसके बाद क्षेत्र के कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है, जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सरकार बोली-सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री का फैसला गलत

जस्टिस नागरत्ना बोलीं : महिला को महीने के 3 दिन 'अछूत' मानें, चौथे दिन नहीं, ऐसा क्यों

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने मंगलवार को केरलम के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं को एंट्री देने का आदेश जारी रहे या नहीं इस पर पहले दिन की सुनवाई की। केंद्र ने कहा- सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था। उसे गलत कानून घोषित किया जाना चाहिए। मासिक धर्म आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगी रोक बरकरार रखी जाए। धार्मिक आस्था के मामले में अदालत को दखल नहीं करना चाहिए।

सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने कहा इस मामले में 'अनुच्छेद 17' दलील पर किस तरह पेश किया जाए, यह मेरी समझ से बाहर है। एक महिला होने के नाते मैं यह कहना चाहूंगी कि ऐसा नहीं हो सकता कि हर महीने 3 दिन तक तो महिला को 'अछूत' माना जाए और चौथे दिन अचानक कोई 'अछूतपन' न रह जाए। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि अगर कोई सामाजिक बुराई है, जिसे धार्मिक प्रथा का नाम दे दिया गया हो तो अदालत उनके बीच फर्क कर सकती है कि वह एक सामाजिक बुराई है या कोई अनिवार्य धार्मिक प्रथा है।



SG मेहता बोले- सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था: SG मेहता ने कहा कि मैं अभी सबरीमाला मामले पर कोई बात नहीं कर रहा हूँ। फिलहाल, आप सभी कानून से जुड़े सवालों की जांच कर रहे हैं। इसलिए अभी इस चर्चा को 'सुई जेनेरिस' (सुई जेनेरिस-अद्वितीय/विशेष प्रकृति) जैसे मामलों से प्रभावित होने देना सही नहीं होगा, हालांकि मेरा यह मानना है कि सबरीमाला मामले में गलत फैसला दिया गया था और उसे एक गलत कानून घोषित किया जाना चाहिए।

मणिपुर- बम हमले में 2 बच्चों की मौत, मां घायल

घटना के विरोध में प्रदर्शन, पुलिस चौकी तोड़ी, दो ऑयल टैंकरों में आग लगाई

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर के विष्णुपुर जिले में मोहरांग ट्रेगलाओबो इलाके में कुछ अज्ञातवादियों ने एक घर में बम फेंक दिया। जिसमें जिसमें 5 साल के एक लड़के और छह महीने की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ऑफिसर ने बताया कि जब घर में बम फटा, तब दो बच्चे और उनकी मां घायल हुए। घटना के विरोध में मंगलवार सुबह प्रोटेस्ट किया। इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो ऑयल टैंकर और एक ट्रक में आग लगा दी। उन्होंने मोहरांग पुलिस स्टेशन के सामने टायर



जलाए और एक पुलिस चौकी को तोड़ दिया। हालात को कंट्रोल करने के लिए इलाके में सिस्कोरिटी फोर्स तैनात कर दी गई हैं।

सीएम ने घायल महिला से मुलाकात की: मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह मंगलवार सुबह पीड़ित मां से मिलने अस्पताल पहुंचे।



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा कैम्पस में सुरक्षा उल्लंघन करने वाले आरोपी सरबजीत सिंह (37 साल) को लेकर कई खुलासे हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने



आया है कि वह 1 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में अपने घर से निकला था। करीब 5 दिन तक उसका कोई पता नहीं था। इस दौरान उसने परिवार से एक बार संपर्क

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वस्थ समाज के निर्माण का किया आह्वान

स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए मिलकर करें काम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसे सभी व्यक्तियों के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की, जो दूसरों की सेवा में अथक परिश्रम करते हैं और एक स्वस्थ ग्रह की दिशा में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि एक मजबूत और सशक्त राष्ट्र के लिए स्वस्थ नागरिकों का होना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने सभी से इस दिशा में सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और कहा कि देश को स्वस्थ बनाने के लिए हर स्तर पर निरंतर काम करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एकसंदेश में नागरिकों को शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य



को बनाए रखने के लिए हरसंभव प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने शारीरिक व्यायाम के महत्व को दर्शाते हुए एक संस्कृत सुभाषित भी साझा किया- 'लघु कर्मसामर्थ्यं दीप्तोऽग्निर्मेदसः क्षयः। विभक्तघनगात्रत्वं व्यायामदुपजायते।' प्रधानमंत्री मोदी ने इस श्लोक के माध्यम से बताया कि नियमित व्यायाम से कार्यक्षमता बढ़ती है, पाचन क्रिया बेहतर होती है, मोटापा कम होता है और शरीर मजबूत व सुडौल बनता है।

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण- नहुन

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री जेपी नहुन ने देशभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और संतुलित जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। मंगलवार को एक्स पर साझा किए अपने संदेश में नहुन ने कहा कि भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक चिकित्सा के समन्वय का उदाहरण है, जो न केवल देश बल्कि वैश्विक स्तर पर भी लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र में कई बड़े बदलाव हुए हैं। आयुष्मान भारत योजना और प्रधानमंत्री भारतीय जनआरोग्य परियोजना जैसी पहल ने गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए इलाज को अधिक सुलभ और किफायती बनाया है।

तमिलनाडु में 9 पुलिसकर्मियों को फांसी की सजा

6 साल पहले बाप-बेटे की हिरासत में मौत हुई थी, कोविड लॉकडाउन में दुकान खोली थी

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु की मट्टुरे सेशन कोर्ट ने सोमवार को सथानकुलम कस्टोडियल डेथ केस में 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई। कोर्ट ने इसे 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया। कहा कि अत्यधिक बर्बता और सत्ता के दुरुपयोग का मामला है।

कोर्ट ने सभी दोषियों को मृतकों के परिजन को 1 करोड़ 40 लाख रुपए मुआवजा देने को



कहा। यह मामला 2020 का है। छह साल तक सुनवाई चली। इस मामले में कुल 10 आरोपी थे। एक की कोविड के दौरान मौत हो गई। दरअसल, 19 जून 2020 को पुलिस ने मोबाइल कारोबारी पी. जयराज (59) और उनके बेटे जे. बेनिक्स (31) की हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने लॉकडाउन के दौरान दुकान खुली रखी थी।

दिल्ली विधानसभा सुरक्षा चूक, आरोपी 5 दिन से लापता था

परिवार से एक बार बात की, लेकिन लोकेशन नहीं बताई; किसान आंदोलन का समर्थक रह चुका

किया, लेकिन अपनी लोकेशन के बारे में कुछ नहीं बताया। सूत्रों के मुताबिक वह 2 अप्रैल को बरेली गया और फिर 6 अप्रैल को दिल्ली पहुंचा था। दोपहर करीब 2.10 बजे सफेद एसयूवी लेकर विधानसभा के गेट नंबर-2 की बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसा था।

उसने पोच में खड़ी स्पीकर विजेन्द्र गुप्ता की गाड़ी पर गुलदस्ता और माला रखकर फरार हो गया।

जांच में सामने आया है कि आरोपी 2020-21 के किसान आंदोलन का समर्थक रहा है। उसने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में कई पोस्ट हटा दिए। **आरोपी ने इसी साल फरवरी में खरीदी एसयूवी कार :** पुलिस ने बताया कि आरोपी तेज रफ्तार में कार लेकर जबरन घुसा और सुरक्षाकर्मियों को कुचलने की काशिश की। आरोपी जिस गाड़ी से

आया था, उसे इसी साल फरवरी में खरीदी थी। पुलिस उन वीडियो की भी जांच कर रही है, जिनमें वह 150 किमी/घंटा से ज्यादा की रफ्तार से कार चलाता दिख रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने अभी तक विधानसभा में घुसने का अपना मकसद नहीं बताया है। उसके कॉल रिकॉर्ड, मूवमेंट और डिजिटल गतिविधियों की जांच की जा रही है। इससे यह पता चलेगा कि उसने

सबकुछ खुद किया या किसी के कहने पर किया।

परिवार बोला- सरबजीत मानसिक रूप से बीमार
घटना के समय सदन की कार्यवाही नहीं चल रही थी। कार में आरोपी अकेले ही था। उसने चेहरा ढका हुआ था। मौके से फरार होने के करीब दो घंटे बाद पुलिस ने उसे रूप नगर इलाके से दो अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया।



बंगाल में एसआईआर पर रार : सीएम ममता का आरोप- मतदाता सूची से विशेष समुदाय के लोगों के नाम कटे, लड़ेंगे कानूनी लड़ाई

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नदिया जिले के चकदहा में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अंतिम मतदाता सूची से विशेष समुदायों के लोगों के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने इसे गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। ममता ने स्पष्ट किया कि टीएमसी ऐसे सभी लोगों के साथ खड़ी है और प्रभावित लोगों को न्याय दिलाने के लिए ट्रिब्यूनल में केस लड़ा जाएगा। 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए :ताजा चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, एसआईआर प्रक्रिया के बाद राज्य में करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। हालांकि, मुख्यमंत्री ने दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट में उनके हस्तक्षेप के बाद न्यायिक निर्णय के तहत लंबित लगभग 60 लाख मामलों में से 32 लाख नाम बहाल किए गए हैं। पश्चिम बंगाल की 294 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे, जबकि मगगणना 4 मई को की जाएगी।

राजनाथ सिंह की पाक को ललकार : '55 साल पुराना अंजाम मत भूलो, बंगाल पर नजर उठाई तो खुदा जाने कितने टुकड़े होंगे'

बैरकपुर, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री खाना आसिफ के भड़काऊ बयान पर तीखा पलटवार किया है। राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान को पुरानी यादें ताजा करते हुए कहा कि वे 55 साल पहले के अंजाम को न भूलें जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। उन्होंने साफ लहजे में चेतावनी दी कि अगर इस बार पाकिस्तान ने बंगाल की तरफ आंख उठाकर भी देखा तो खुदा ही जाने उसके कितने टुकड़े होंगे।



16500 करोड़ के सरकारी ठेके, बहुजन समाज को कितना हिस्सा?' राहुल बोले- सरकार के पास डाटा ही नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश में सार्वजनिक निर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर ठेकों में दलित, आदिवासी और अन्य पिछड़े वर्ग (OBC) के उद्यमियों को हिस्सेदारी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के पास इस बात का कोई डेटा ही नहीं है कि इन वर्गों को कितने ठेके दिए गए। राहुल गांधी ने फेसबुक पोस्ट के जरिए कहा कि उन्होंने पिछले साल दिए गए 16,500 करोड़ रुपये से अधिक के सार्वजनिक निर्माण ठेकों में एससी/एसटी और हज़ार उद्यमियों की भागीदारी का पता लगाने की कोशिश की, लेकिन जबबेहद चिंताजनक था। उन्होंने कहा कि सरकार के पास इस संबंध में कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं है।

दरअसल, राहुल गांधी ने लोकसभा में अंतरांकित प्रश्न संख्या 6264 के तहत आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से पिछले पांच वर्षों में दिए गए ठेकों की संख्या और कुल मूल्य की



जानकारी मांगी थी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी पूछा था कि इनमें से कितने ठेके एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए और क्या सरकार ने एससी/एसटी उद्यमों के लिए तय 4 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा किया है। उन्होंने ओबीसी उद्यमियों के लिए भी ऐसे लक्ष्य तय करने की योजना पर सवाल उठाया। इस सवाल के जवाब में केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने बताया कि कुल ठेकों का डेटा तो उपलब्ध है, लेकिन एससी/एसटी और ओबीसी स्वामित्व वाले व्यवसायों को दिए गए ठेकों का कोई अलग ट्रैकिंग सिस्टम मौजूद नहीं है।

भाजपा की रैली में गरजे अमित शाह, कहा- असम की बराक घाटी में कांग्रेस ने घुसपैठियों को शरण दी

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने असम के श्रीभूमि जिले के पाथरकांडी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देगी और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने की अपील की। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल बाबा, साफ सुन लीजिए, हम असम को घुसपैठियों का गढ़ नहीं बनने देंगे। उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी की उपेक्षा की, उसके विकास के लिए कुछ नहीं किया। भाजपा सरकार ने घुसपैठियों की पहचान कर ली है



एनडीए की सरकारें बनती हैं तो घुसपैठ पूरी तरह रोक दी जा सकेगी।

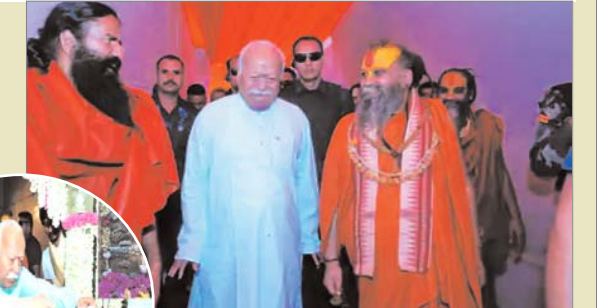
करिमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प :सांस्कृतिक मुद्दों पर बात करते हुए शाह ने कहा कि केवल भाजपा में करिमगंज का नाम बदलकर श्रीभूमि करने का संकल्प है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह सत्ता हासिल करने के लिए घुसपैठियों पर निर्भर रहती है।

वृंदावन में मोहन भागवत बोले- गौसेवक बनाओ, गौहत्या रुक जाएगी

संत मलूक दास के जयंती उत्सव में शामिल हुए, संतों के पैर छुए

मथुरा, एजेंसी। संत मलूक दास की आज 452वीं जयंती है। वृंदावन के मलूक पीठ में उनका जन्मोत्सव कार्यक्रम मनाया जा रहा है। इसमें क्रस् प्रमुख मोहन भागवत पहुंचे। मंच पर संत रसिक माधव दास ने मोहन भागवत को शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। भागवत ने हाथ जोड़कर अभिवादन स्वीकार किया और पैर छूकर आशीर्वाद लिया। योग गुरु बाबा रामदेव भी संत मलूक दास की जयंती में पहुंचे। उन्होंने संत की समाधि के दर्शन-पूजन किए।

इस दौरान उन्होंने कहा- समाज में गोभक्त बनाया जाए तो गौहत्या अपने आप रुक जाएगी। जो लोग आज सत्ता में हैं, उनके मन में भी यह बात है।



भारत अब बनेगा विश्व गुरु

उन्होंने कहा कि हमारे यहां व्यक्ति और समाज में ऐसा परिवर्तन आना चाहिए, जिसके लिए जरूरी उदाहरण सत्ता की मंडली हमारे पास मौजूद है। अब समय आ गया है जब भारत विश्व गुरु बनकर दुनिया को एक सुंदर अनुभव कराएगा।

समाज जैसा बनेगा, वैसा ही देश बनेगा

उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब पूरे भारत की यही सामूहिक इच्छा बन जाएगी। समाज जैसा बनेगा, देश भी वैसा ही बनेगा। इसलिए समाज कैसा हो, इसके लिए हमारे पास सत्ता की समृद्ध परंपरा मौजूद है और हमें उनका अधिक से अधिक अनुकरण करना चाहिए।

वे करना भी चाहते हैं, लेकिन कई तरह की दिक्कतें सामने आती हैं। कृष्ण भक्त संत मलूक दास का जन्म कौशांबी में खत्री परिवार में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपनी साधना स्थली वृंदावन को बनाया। यहां उन्होंने यमुना किनारे वंशीवट पर अपनी कुटिया बनाई, जिसे मलूक पीठ के नाम से जाना जाता है। संत का गोलोक गमन (मृत्यु) वृंदावन में हुआ, जहां उनकी समाधि बनी हुई है।

दिल्ली पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ कर 12 किए गिरफ्तार; बेचते थे फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी



नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट की एंटी-नारकोटिक्स सेल ने गुरु अर्जुन नगर में चल रहे एक फर्जी कॉल सेंटर को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया। इस सेंटर के जरिए आरोपी लोग 'आरडी सर्विसेस' नाम से फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी बेचकर लोगों से ठगी की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, 4 अप्रैल को रणजीत नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के गुरु अर्जुन नगर स्थित रतन लाल कॉम्प्लेक्स में छापेमारी की गई थी। इस दौरान दो मालिकों समेत 10 टेली-कॉलर्स को गिरफ्तार किया गया था। कुल 12 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस सेंटर के प्रोपराइटर पांडव नगर निवासी सोरभ (28 वर्ष) और शादीपुर निवासी शाहनवाज (28 वर्ष) हैं।

पकड़े गए टेली-कॉलर्स : अंजलि (25), बालजीत नगर काशिशा (21), न्यू रणजीत नगर रजनी (20), सक्लवस्ती गनमान (21), रणजीत पूजा (30), प्रेम नगर कविता (26), बालजीत नगर मंजू (20), बालजीत नगर रखा (22), इंदरलोक इमरान (20), इंदरलोक अनु (29), करोल बाग

ठगी का तरीका: आरोपी लोगों को फोन पर कॉल करके बताते थे कि उनके वाहन में कहीं भी पंचर, ब्रेकड्रॉन या किसी भी इमरजेंसी में तुरंत मदद मिलेगी। विश्वास दिलाने के लिए कैश ऑन डिलीवरी (छहछ) का ऑफर देते और तीन से चार हजार रुपये में प्लास्टिक पॉलिसी कार्ड घर पर डिलीवर करने का वादा करते। लेकिन पैसे लेने के बाद हेल्पलाइन नंबर (कीपैड मोबाइल) पर कॉल करने पर कोई जवाब नहीं मिलता और न ही कोई सहायता दी जाती। यह फर्जी सेंटर पिछले 6 महीने से सक्रिय था। आरोपी लोगों के पास न तो कोई लाइसेंस था और न ही वैध रजिस्ट्रेशन।

कॉलिंग के लिए इस्तेमाल किए गए मोबाइल फोन: सभी आरोपी और बरामद सामान को रणजीत नगर पुलिस को सौंप दिया गया है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। पुलिस ने कहा कि पूछताछ में आरोपी और भी महत्वपूर्ण खुलासा कर सकते हैं। इस तरह की फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस स्कीम से आम लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

गुरुग्राम से अगवा पति और दो बच्चों का 300 किमी दूर बरेली में सुराग, मां को 48 घंटे बाद मिले कलेजे के टुकड़े



गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम के नाथूरु में रहने वाली एक महिला के ऑटो चालक पति और दोनों बच्चे अपहृत होने के 48 घंटे बाद तीन सौ किलोमीटर दूर बरेली में आखिरकार मिल गए। बच्चे शनिवार शाम को पिता के साथ घर से सिकंदरपुर पहाड़ी हनुमान मंदिर गए थे, इस दौरान उन्हें अगवा कर लिया गया। सोमवार दोपहर जब महिला को बच्चे मिलने की जानकारी मिली तो वह तुरंत बरेली के लिए रवाना हो गईं। बच्चे बरेली के अस्पताल में भर्ती हैं। दो दिन रोने और बिलखने के बाद जैसे ही कलेजे के टुकड़ों को मां ने देखा तो उन्हें गले लगा लिया और खुशी के आंसू बहने लगे। मूल रूप से बरेली के टांडा सिकंदरपुर गांव की रहने वाली पूजा ने शनिवार रात डीएलएफ फेस एक थाना पुलिस को पति मनेज और दो बच्चों मयूर व लक्ष्य के अपहरण होने की शिकायत दी थी। बताया था कि वह आठ सालों से परिवार के साथ नाथूरु एस ब्लॉक में रह रही हैं। पति मनेज कुमार ओला-उबर में अटॉटो चलाते हैं।

नहीं लगा पा रहा था कोई सुराग: दो दिन पहले एक अज्ञान व्यक्ति मनेज कुमार से मिला। जिसने प्रतिदिन सुबह-शाम एस ब्लॉक से सिकंदरपुर पहाड़ी के पास हनुमान मंदिर चलने के लिए तय किया। शनिवार शाम जब व्यक्ति ने मंदिर चलने के लिए फोन किया तो मनेज अपने साथ दो बेटों को भी ले गए। इसके बाद तीनों लापता हो गए। इसके बाद महिला बच्चों और पति को पुलिस की मदद से ढूँढ रही थीं, लेकिन कोई पता नहीं चल रहा था। पति और बच्चों के इस तरह लापता होने के बाद उनके आसुं थम नहीं रहे थे। उन्हें सूझ नहीं रहा था कि वह क्या करें। सोमवार शाम दैनिक जागरण से फोन पर बातचीत में पूजा ने बताया गुरुग्राम पुलिस से उन्हें पति और बच्चों के टांडा सिकंदरपुर गांव में होने की जानकारी मिली थी। इस पर फौरन वह बरेली चली गईं। यहां एक हादसे में बच्चे घायल हो गए थे। अस्पताल में बच्चे मिले। बच्चों से मिलने के बाद अब जाकर सुकून मिला है। यह भी बताया कि पुलिस ने उनके पति को ढूँढ लिया है। फिलहाल, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। डीएलएफ फेस एक थाना प्रभारी इस्पेक्टर मनेज कुमार ने बताया कि मामले में पुलिस की एक टीम जांच में जुटी हुई थी। सीसीटीवी कैमरे व अन्य माध्यम से एक गाड़ी के बारे में पता चला था। इधर सोमवार अलखुबह बरेली पुलिस से बच्चों और ऑटो चालक की जानकारी मिली। पुलिस टीम को बरेली भेजा गया है। मनेज से घटना को लेकर पूरी जानकारी की जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

फरीदाबाद में जलभराव रोकने को खर्च होंगे 23.70 करोड़, एक महीने में पूरी होगी सीवर और नाले की सफाई

फरीदाबाद, एजेंसी। बारिश से होने वाले जलभराव से निपटने को लेकर नगर निगम 23.70 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसको लेकर निगम ने बजट तैयार कर लिया है। एक माह के भीतर सीवर और नाले की सफाई का काम पूरा करना होगा। निगम की इंजीनियरिंग ब्रांच के अनुसार नालों की सफाई को लेकर टेंडर लगा दिया गया है। औद्योगिक नगरी में 65 छोटे और बड़े नाले हैं। इसके साथ ही गौछे ड्रेन की सफाई को लेकर सबसे अधिक समय लगता है। मेयर और निगम आयुक्त खुद इंजीनियरिंग ब्रांच के अधिकारियों से नालों की सफाई को लेकर प्रतिदिन रिपोर्ट ले रहे हैं। इसके साथ ही वर्षा पानी निकासी को लेकर एक करोड़ रुपये की लागत से अलग-अलग ड्रेन बनाई जाएगी। विभाग की ओर से शहर में ऐसी 15 जगहों को चिन्हित किया गया। जहां पर ड्रेन बनाने की जरूरत है।

समस्याओं के दलदल में फंसा साइबर सिटी गुरुग्राम का विकास

गुरुग्राम, एजेंसी। नाम बड़े और दर्शन छोटे वाली कहावत साइबर सिटी के ऊपर सटीक बैठती है। पूरी दुनिया में आइटी, आटोमोबाइल, टेलीकाम, गारमेट एवं मेडिकल हब के रूप में पहचान है लेकिन न साफ-सफाई बेहतर और न ही सड़कें दुरुस्त। ट्रेफिक जाम से अधिकतर इलाके कराह रहे हैं। हल्की वर्षा होते ही शहर के अधिकतर इलाके तालाब बन जाते हैं। कारण, न समय पर नालों की सफाई की जाती है और न ही रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के रखरखाव के ऊपर ध्यान है। वर्षा होने पर ही प्रदूषण का स्तर गिरता है अन्यथा 250 से अधिक एक्यूआइ हमेशा रहता है। यह हाल तब है जब मुख्यमंत्री हर महीने कम से कम चार से पांच बार शहर में होते हैं। समस्याओं पर सीधी नजर रखने एवं लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए हर जिले में जिला लोक संघर्ष कचिपट निवारण समिति का गठित है। जिले की समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री नाबख सिंह सैनी स्वयं हैं। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष भी मुख्यमंत्री ही हैं। कचिपट निवारण समिति की बैठक से लेकर गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण की बैठक में शहर की सफाई



व्यवस्था, सड़कों की दयनीय हालत, जलभराव, ट्रेफिक जाम एवं प्रदूषण की समस्या पर निश्चित रूप से चर्चा की जाती है। इसके बाद भी सफाई व्यवस्था तक पटरी पर नहीं आ रही है। कई-कई दिनों तक सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर लगे रहते हैं। आसपास से निकलना मुश्किल हो जाता है। मौखिक से लेकर लिखित शिकायत तक लोग अधिकारियों से करते हैं लेकिन कोई असर नहीं। पिछले साल सितंबर के दौरान मुख्यमंत्री ने

कुछ दूरी पर संचालित डीपीजी ड्रिपी कालेज के परिसर में हुई थी। कालेज परिसर तक जाने का एक रास्ता मार्बल मार्केट से होकर है। रास्ते की हालत ऐसी है कि जैसे पहले कभी बनी ही नहीं। उसी रास्ते से मुख्यमंत्री का काफिला निकल गया। उम्मीद थी कि मुख्यमंत्री का काफिला निकलने के बाद रास्ते की तस्वीर बदल जाएगी लेकिन स्थिति जस की तस। हजारों विद्यार्थी उसी जर्जर रास्ते से होकर कालेज में पहुंचते हैं। पूरे दिन धूल का गुबार बना रहता है।

औद्योगिक क्षेत्रों की भी सुध नहीं: साइबर सिटी की पहचान पूरी दुनिया में औद्योगिक विकास की वजह है लेकिन औद्योगिक क्षेत्रों की भी सुध नहीं। उद्योग विभाग जैसे औद्योगिक क्षेत्र में एक भी पार्किंग स्थल नहीं। कई सड़कों के किनारे जगह-जगह कूड़े के ढेर हैं। हल्की वर्षा होते ही अधिकतर इलाके तालाब बन जाते हैं। यही हाल सेक्टर-37, सेक्टर-34, कादीपुर, बसई, दौलाताबाद एवं बेगमपुर खेतोला औद्योगिक क्षेत्र की है। उद्योगों की समस्याओं के समाधान की मांग करते-करते थक चुके हैं। सभी को उम्मीद थी कि जिले में मुख्यमंत्री की सक्रियता की वजह से तस्वीर तेजी से बदलेगी लेकिन

गाजियाबाद में ड्यूटी जाते समय महिला के पैर पर आवारा कुत्ते ने काटा, हुआ गहरा घाव

गाजियाबाद, एजेंसी। घर से ड्यूटी जाते समय चिपियान के रहने वाले लख्मीचंद की 45 वर्षीय पत्नी मंजू के पैर पर आवारा कुत्ते ने काट लिया। इससे पैर में गहरा घाव हो गया। तुरंत महिला को जिला एमएमजी अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद महिला को एंटी रेबीज वैक्सीन के अलावा एंटी रेबीज सीरम भी लगाया गया। इसके अलावा कैलाभट्टा स्थित सादिक पुलिया के पास रहने वाले अशोक के सात वर्षीय बेटे मोहित पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। वह डरकर जमीन पर गिर गया। कुत्ते ने मोहित के सीधे पैर पर काटकर गहरा जख्म कर दिया। आसपास के लोगों ने कुत्ते को भगाया। मोहित को भी एआरवी



के अलावा एआरएस लगाया गया है। पिछले 24 घंटे में शहर में आवारा कुत्ते, बंदर, बिल्ली और चूहे के काटने पर 612 लोगों ने अस्पताल पहुंचकर एंटी रेबीज वैक्सीन लगाई है। इनमें 78 बच्चे भी शामिल हैं। दोपहर दो बजे तक लोग एआरवी लगवाने को लाइन में खड़े रहे। एआरवी कक्ष के पास आवारा कुत्ता भी

घूमता रहा। जिला एमएमजी अस्पताल, जिला संयुक्त अस्पताल और इंडहाडा संयुक्त अस्पताल में सोमवार को जानवरों के काटने पर एंटी रेबीज वैक्सीन की पहली डोज लगवाने पहुंचे लोगों की संख्या 191 रही। शेष ने दूसरी और तीसरी डोज लगवाई है। जानवरों के काटने पर घायल हुए नौ लोगों को इमरजेंसी में

पहुंचे पर एआरवी के साथ ही एंटी रेबीज सीरम भी लगाया गया। इनमें पांच बच्चे शामिल हैं। इसके साथ ही जिला एमएमजी अस्पताल, इंडहाडा अस्पताल और जिला संयुक्त अस्पताल में पांच दिन में एंटी रेबीज वैक्सीन की पहली, दूसरी और तीसरी डोज लगवाने वालों की संख्या 2990 हो गई है। जिला एमएमजी अस्पताल में सोमवार को पहुंचे 277 में से पहली डोज लगवाने वाले 117 में 47 बच्चे शामिल रहे। 36 पुरुष, 26 महिला और आठ बुजुर्गों ने भी एआरवी लगावाई। जिला संयुक्त अस्पताल में 242 में से पहली डोज लगवाने वाले 43 लोगों में 21 बच्चे शामिल रहे। संयुक्त अस्पताल की इमरजेंसी में भी दो लोगों को एंटी रेबीज सीरम लगाया गया।

फजीहत के बाद बदले पाकिस्तान के सुर, यूएस-ईरान समझौते पर अब किया टिप्पणी से इनकार, तेहरान दिखा चुका है आईना

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए शांति प्रस्ताव की खबरों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। हालांकि, विदेश कार्यालय ने कहा कि शांति प्रक्रिया जारी है। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अदराबी ने कहा, '45 दिवसीय युद्धविराम की पेशकश या 15-सूत्रीय समझौते की कोई खबरें आई हैं। हम इन पर टिप्पणी नहीं करते हैं।' पाकिस्तान का यह बयान रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया था कि ईरान और अमेरिका को पाकिस्तान द्वारा तैयार की गई एक योजना मिली है, जो युद्धविराम करा सकती है। रिपोर्ट में एक सूत्र का हवाला देते हुए कहा गया है कि युद्धविराम की यह रूपरेखा रातोरात दोनों पक्षों के साथ साझा



की गई थी। **अमेरिकी रिपोर्ट में मध्यस्थता का दावा** :अमेरिकी मीडिया एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में स्रोतों का हवाला देते हुए बताया था कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ एक संभावित 45-दिवसीय युद्धविराम पर चर्चा कर रहे थे। जो युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करने की दिशा में दो-चरणीय समझौते का हिस्सा हो सकता है। इसमें पहले युद्धविराम और फिर व्यापक समझौता किए जाने का दावा किया गया था। **ईरान ने खारिज किया प्रस्ताव** :ईरानी समाचार एजेंसी आईअरएनए के अनुसार मध्यस्थ पाकिस्तान के जरिए अमेरिका द्वारा

दिए गए प्रस्ताव पर जवाब देते हुए तेहरान ने युद्धविराम को खारिज कर दिया। ईरान ने कहा कि युद्ध का स्थायी अंत जरूरी है। ईरान के जवाब में 10 सूत्र शामिल थे, जिनमें क्षेत्र में संघर्षों की समाप्ति, होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन के लिए एक प्रोटोकॉल, प्रतिबंधों को हटाना और पुनर्निर्माण शामिल थे।

पाकिस्तानी प्रस्ताव खारिज होने की वया थी वजह : मध्यस्थ बन रहे पाकिस्तान के युद्धविराम प्रस्ताव के जवाब में ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत अल्टीमेटम और युद्ध अपराधों के अंजाम देने की धमकी के साथ असंगत है। प्रवक्ता इस्माइल बघेई ने कहा कि 15-सूत्रीय योजना जैसी पिछली अमेरिकी मांगों को अह्वान किया होने की वजह से अब तक कार्रवाई का दिया गया था।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति बनेंगे ट्रंप?: मजाक-मजाक में किया इशारा; बोले- तेल से ईरान युद्ध का काफी खर्च निकला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि वेनेजुएला में उनकी लोकप्रियता को देखते हुए, वे अपने कार्यकाल के बाद वहां के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला के लोग कहते हैं कि अगर वे वहां राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ें, तो उनको किसी भी अन्य उम्मीदवार से कहीं ज्यादा वोट मिलेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वे जल्द ही स्पेनिस भाषा सीख लेंगे, क्योंकि वे भाषाओं को सीखने में माहिर हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सेना ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिल्विया पत्लेरॉस को ड्राप तस्करी के आरोपों में गिरफ्तार किया था।



मादुरो की गिरफ्तारी के बाद, वेनेजुएला की उपराष्ट्रपति डेलसी रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति का पद संभाला था। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला में अच्छे लोग शासन कर रहे हैं और दोनों देशों के संबंध अच्छे हैं। **ईरान युद्ध का खर्च निकाला** :ट्रंप ने इस दौरान वेनेजुएला के साथ हुए संघर्षों को 45 मिनट में खत्म होने वाला बताया। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने देश से सैकड़ों मिलियन बैरल तेल लिया है, जो पहले ही ह्यूस्टन में परिष्कृत होकर बिक चुका है। उन्होंने दावा किया कि वेनेजुएला का तेल बेचकर अमेरिका ने ईरान युद्ध का खर्च निकाला है। उन्होंने कहा कि इस तरह से युद्ध का खर्च कई गुना चुकाया जा चुका है। **मंगल को होगा ईरान का 'अमंगल'** :एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए चेतावनी दी है।

मुझे मेरे जैसे और लोगों की जरूरत: ईरान पर अपने विवादित पोस्ट को लेकर घिरे ट्रंप, कहा- आलोचकों की परवाह नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर अपने बयान को लेकर विवादों में आ गए हैं। इस बार मामला उनके उस सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने ईरान को लेकर बेहद कड़ी और आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। ट्रंप ने कहा था कि अगर ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए समझौता नहीं किया, तो उन्हें भारी तबाही का सामना करना पड़ेगा। इस बयान के बाद जब पत्रकारों ने उनसे आलोचना पर सवाल किया, तो ट्रंप ने साफ शब्दों में कहा कि उन्हें आलोचकों की कोई परवाह नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे आलोचकों की परवाह नहीं है।' जब उनसे यह भी पूछा गया कि कुछ लोग उनके मानसिक स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे हैं, तो उन्होंने इसे भी नजरअंदाज करते हुए कहा कि अगर ऐसा है, तो देश को उनके जैसे और लोगों की जरूरत है। ट्रंप ने अपने बचाव में कहा कि उनके राष्ट्रपति बनने से पहले अमेरिका को व्यापार समेत कई मामलों में



नुकसान उठाना पड़ रहा था, लेकिन उन्होंने आकर स्थिति बदली। उनका कहना था कि उनकी सख्त नीति और बयानबाजी ही अमेरिका के हित में है। हालांकि, उनके इस बयान के बाद विपक्ष और कई आलोचकों ने तीखी प्रतिक्रिया दी। खासकर इंटर के दिन किए गए उनके सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर

होता, तो अमेरिका ईरान के तेल पर कब्जा कर सकता है, क्योंकि वह खुद को पहले बिजनेसमैन मानते हैं। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा कि अमेरिका पहले भी वेनेजुएला के साथ तेल को लेकर साझेदारी कर चुका है, इसलिए ईरान के मामले में भी ऐसा किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि 'जंग जीतने वाले को उसका फायदा मिलना चाहिए' और अमेरिका को भी इसका इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने साफ इशारा दिया कि अमेरिका अपनी पुरानी नीति से हटकर युद्ध के बाद संसाधनों पर कब्जा करने की सोच सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका ने दूसरे देशों की मदद की, लेकिन अब ऐसा नहीं होना चाहिए।

ट्रंप ने फिर दोहराया अल्टीमेटम : इस दौरान ट्रंप ने एक बार फिर कहा कि ईरान के पास समझौता करने के लिए मंगलवार रात 8 बजे (भारतीय

समयानुसार बुधवार सुबह 5:30 बजे) तक का वकत है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर इस समय तक कोई डील नहीं होती, तो ईरान में 'न पुल बचेगे, न पावर प्लांट' और देश पाषाण युग में पहुंच जाएगा। ट्रंप ने बताया कि ईरान ने पहले सात दिन का समय मांगा था, लेकिन अमेरिका ने उसे 10 दिन दिए। अब यह अंतिम समयसीमा है। उन्होंने कहा कि यह तबाही 'महत्वपूर्ण अवधि' है और अब फैसला ईरान को ही करना है। ईरानी लोग चाहते हैं कि अमेरिका बमबारी जारी रखे राष्ट्रपति ट्रंप ने यह भी दावा किया कि जब यह संघर्ष 28 फरवरी को शुरू हुआ था, तब ईरान ज्यादा मजबूत था, लेकिन अब अमेरिका ने उसे कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले 47 वर्षों में जो कदम उठाए जाने चाहिए थे, वो अब किए जा रहे हैं। इसके अलावा, ट्रंप ने एक और बड़ा दावा किया कि ईरान के कुछ लोग खुद अमेरिका से कह रहे हैं कि 'बमबारी जारी रखें'।

संकल्प से समाधान अभियान: शत-प्रतिशत आवेदनों का निराकरण, प्रभारी मंत्री ने किया समीक्षा और हितग्राहियों को वितरित लाभ

मीडिया ऑडिटर, मऊगंज (निप्र)। पशुपालन एवं डेयरी विकास राज्य मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखन पटेल ने गत दिवस जिले में संचालित 'संकल्प से समाधान' अभियान की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर संजय कुमार जैन ने बताया कि अभियान अंतर्गत आयोजित 35 शिविरों में कुल 48,349 आवेदनों में से 47,199 आवेदनों का निराकरण किया गया था। प्रभारी मंत्री ने शेष आवेदनों का दो दिवस में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उनके निर्देशानुसार आज शेष आवेदनों का निराकरण कर दिया गया, जिससे शत-प्रतिशत आवेदनों का समाधान सुनिश्चित हुआ। जिले में अभियान का संचालन चरणबद्ध तरीके से किया गया। प्रथम चरण में 15 जनवरी से 15 फरवरी तक ग्राम पंचायत स्तर द्वितीय चरण में 16 फरवरी से



16 मार्च तक क्लस्टर स्तर पर, तृतीय चरण में 16 मार्च से 26 मार्च तक ब्लॉक स्तर पर, और चतुर्थ चरण में 26 मार्च से 31 मार्च तक जिला स्तर पर शिविर आयोजित किए गए प्रत्येक चरण में प्राप्त आवेदनों पर

समाधानकारी कार्रवाई की गई। समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री ने हितग्राहियों को सीधे हितलाभ वितरित किए। इस अवसर पर लाडली लक्ष्मी योजना की लाभार्थी आकृति सेन, आरूही गुप्ता एवं रिया गुप्ता को लाभ

प्रदान किया गया। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की हितग्राही रक्षा केशरवानी को भी प्रभारी मंत्री ने लाभ वितरित किया। बैठक में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक देवतालाब निरीश गौतम, विधायक प्रदीप



पटेल, जिला भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने भाग लिया। कलेक्टर ने सभी विभागों को आगे भी हितग्राहियों के लाभ वितरण और समयबद्ध समाधान

सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अभियान की सफलता से जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लाभार्थियों तक त्वरित सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है।

करियर काउन्सिलिंग हेतु मनोवैज्ञानिकों गठन के लिए आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिला रोजगार अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल में करियर मार्गदर्शन हेतु जांब फेयर एवं करियर काउन्सिलिंग योजना संचालित की जा रही है। इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए विषय विशेषज्ञ एवं मनोवैज्ञानिकों के पैनल गठन हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मनोवैज्ञानिक पद के लिए अभ्यर्थी के पास साइकोलॉजी या क्लीनिकल साइकोलॉजी में स्नातकोत्तर या पीजी डिप्लोमा होना आवश्यक है साथ ही शासकीय या निजी संस्थान में छात्रों को करियर काउन्सिलिंग एवं मार्गदर्शन देने का कम से कम एक वर्ष का अनुभव होना चाहिए। विषय विशेषज्ञ पद के लिए अभ्यर्थी के पास किसी भी

विषय में डिग्री, डिप्लोमा या स्नातकोत्तर डिग्री के साथ करियर मार्गदर्शन के क्षेत्र में अनुभव होना अनिवार्य है। चयनित पैनल का समय-समय पर जिला एवं खंड स्तरीय स्कूलों, आईटीआई और रोजगार शिविरों में करियर काउन्सिलिंग हेतु भेजा जाएगा। निर्देशानुसार काउन्सिलिंग के पश्चात अभ्यर्थियों की प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र के अनुसार रोजगार पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य होगा। इस कार्य के लिए प्रति काउन्सिलिंग 1000 रुपये (समस्त व्यय सहित) मानदेय प्रदान किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी 21 अप्रैल 2026 को सायं 05 बजे तक अपने समस्त प्रमाण-पत्रों की अभिप्रमाणित प्रतियों के साथ जिला रोजगार कार्यालय, सीधी में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से भी भेज सकते हैं। पैनल का गठन निर्धारित योग्यता, मेरिट अंक एवं अनुभव के आधार पर किया जाएगा।

त्रिदिवसीय श्री भक्तमाल कथा आयोजन: ईश्वरीय अनुकंपा और गुरुकृपा से होगा कथामृत का रसपान

मीडिया ऑडिटर, रीवा (निप्र)। जय श्री कृष्ण! ईश्वरीय अनुकंपा, गुरुकृपा और पूर्वजों के आशीर्वाद से हमारे परिवार को यह सौभाग्य प्राप्त हो रहा है कि वे त्रिदिवसीय श्री भक्तमाल कथा आयोजन का सफल आयोजन कर सकेंगे। यह आध्यात्मिक कार्यक्रम स्थानीय श्रद्धालुओं और भक्तों के लिए धार्मिक ज्ञान, भक्ति भाव और आध्यात्मिक अनुभव का एक अनमोल अवसर साबित होगा। कथा का संचालन बाबा अनंदराम दरवार (चकरभाटा) के प्रमुख साईं कृष्णदास जी द्वारा किया जाएगा जो व्यास पीठ से कथामृत का रसपान कारकर श्रद्धालुओं के हृदय को आध्यात्मिक आनंद से भर देंगे। कथा के दौरान श्री भक्तमाल के प्रमुख प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा जिससे उपस्थित श्रद्धालु भगवान के

प्रति भक्ति भाव और जीवन मूल्यों को गहराई से समझ सकेंगे। त्रिदिवसीय इस कथा आयोजन में सभी आयु वर्ग के लोग भाग ले सकेंगे। प्रत्येक दिन का प्रारंभ संध्या आरती, भजन एवं कीर्तन से होगा जिसमें भक्तजन सहभागिता कर सकेंगे। कथा के दौरान भक्तिमय वातावरण और आध्यात्मिक अनुष्ठान से घर एवं समाज में धर्म, सदाचार और नैतिकता का संदेश फैलाने का उद्देश्य रखा गया है। कथा आयोजन के लिए विशेष रूप से व्यवस्था की गई है जिसमें श्रद्धालुओं की सुविधा साफ-सफाई और भोजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। आयोजक परिवार का मानना है कि इस पान अवसर पर अधिक से अधिक लोग शामिल होकर अपने जीवन में भक्तिमय ऊर्जा का अनुभव प्राप्त करेंगे।

सब्जी मंडी जोरौंधा का कलेक्टर ने किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने पर दिया जोर



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर विकास मिश्रा ने सब्जी मंडी जोरौंधा का निरीक्षण कर मंडी की समुचित व्यवस्था, सुरक्षा एवं स्वच्छता को लेकर संबंधित अधिकारियों एवं व्यापारी संघ के साथ विस्तृत चर्चा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मंडी के लिए आवंटित भूमि का सीमांकन शीघ्र कराने हेतु राजस्व विभाग को निर्देशित

किया। निरीक्षण के दौरान व्यापारी संघ के साथ मंडी की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने 45 पंजीकृत व्यापारियों की सूची उपलब्ध कराने सीसीटीवी कैमरे लगाने व्यापारी कल्याण निधि की स्थापना तथा राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंडी का साइड बोर्ड स्थापित करने जैसे कार्यों में सक्रिय सहयोग सुनिश्चित



करने पर जोर दिया। मंडी की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कलेक्टर ने 2 होमगार्ड की शिफ्टवार ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए साथ ही व्यापारियों से मंडी परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा प्लास्टिक बैग के स्थान पर बायोडिग्रेडेबल बैग के उपयोग की अपील की गई। स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से प्लास्टिक

डस्टबिन के स्थान पर सीमेंट डस्टबिन लगाने के निर्देश दिए गए इसके साथ ही ग्राम पंचायत के सचिव को आगामी ग्राम सभा में सेवा कर (सर्विस टैक्स) वसूली का प्रस्ताव पारित कराने तथा न्यूनतम मजदूरी अधिनियम के अनुरूप सफाई कर्मियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने मंडी क्षेत्र में पाकिंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने पर भी विशेष जोर दिया ताकि आम नागरिकों एवं व्यापारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी गोपद बनास राकेश शुक्ला, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी मुख्य पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गांव-गांव चौपाल, घर के पास समाधान: 08-09 अप्रैल को सिहावल क्षेत्र में विशेष अभियान

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन में ग्राम स्तर पर जनसंवाद, जनसुनवाई एवं हितलाभ वितरण का विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस पहल के तहत जिला प्रशासन अब सीधे गांवों में पहुंचकर नागरिकों की समस्याएं सुन रहा है और उनका मौके पर ही निराकरण करना का प्रयास कर रहा है, जिससे लोगों को जिला मुख्यालय तक आने की आवश्यकता न पड़े यह विशेष अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में शासन की योजनाओं को अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी तरीके से लागू करने की दिशा में एक

महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इसके माध्यम से प्रशासन और आमजन के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है, जिससे समस्याओं की वास्तविक स्थिति को समझने और उनका त्वरित समाधान करने में सहायता मिल रही है। अभियान के अंतर्गत 08 अप्रैल को विकासखंड सिहावल के ग्राम हटवा, पहाड़ी एवं अमिलिया में सायंकालीन एवं रात्रिकालीन चौपाल का आयोजन किया जाएगा। इन चौपालों में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे और ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही निराकरण करेंगे। कार्यक्रम के उपरांत कलेक्टर अमिलिया में रात्रि विश्राम करेंगे तथा स्थानीय नागरिकों से सीधे संवाद कर

उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं को गहराई से समझने का प्रयास करेंगे। इसी क्रम में 09 अप्रैल को ग्राम कोदौरा, लौआ एवं सुहौलिया में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलेगा वहीं संबंधित अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ भी प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा है कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन जिले में लगातार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

09 अप्रैल को बहरी में 'संकल्प से समाधान' शिविर, हितग्राहियों को मिलेगा योजनाओं का लाभ

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जिले में आमजन तक शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी रूप से पहुंचाने के उद्देश्य से 09 अप्रैल को तहसील बहरी मुख्यालय स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल बहरी में 'संकल्प से समाधान' कार्यक्रम अंतर्गत विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीणों को अपनी समस्याएं रखने का अवसर मिलेगा वहीं संबंधित अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ भी प्रदान किया जाएगा। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा है कि इस प्रकार के शिविरों का आयोजन जिले में लगातार किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। शिविर के सफल संचालन के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजेश शुक्ला एवं जनपद पंचायत सिहावल की मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि पाण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारियों के मार्गदर्शन में विभिन्न विभागों के समन्वय से शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभाग अपने-अपने स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया जाएगा इससे आमजन को एक ही स्थान पर आवश्यक सेवाएं और जानकारी प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में स्टार्टअप और प्रोटोटाइप्स का प्रदर्शन, मेंटर्स ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के इन्क्यूबेशन सेंटर में 7 अप्रैल 2026 को शोकेसिंग स्टार्टअप एंड प्रोटोटाइप टू मेंटर्स विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जारी कैलेंडर के अनुसार अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों

द्वारा विकसित स्टार्टअप आईडियाज और प्रोटोटाइप्स को अनुभवी मेंटर्स के समक्ष प्रस्तुत करना उनका फीडबैक प्राप्त करना और उद्यमिता के क्षेत्र में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना था। इस अवसर पर इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी राकेश कुमार प्रजापति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इन्क्यूबेशन सेंटर युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को विकसित करने का सशक्त माध्यम

है उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय नवाचार को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में छात्र अभिनव शर्मा, मनीष केवट, अधिरामचंद्र कुशवाहा, सचिन सिंह परिहार, अमन सिंह चौहान, ब्रह्म शुक्ला और छात्रा त्रिशाला सिंहने अपने नवाचारपूर्ण स्टार्टअप विचारों और प्रोटोटाइप्स का प्रदर्शन किया। मेंटर्स ने प्रत्येक प्रस्तुति पर विस्तार से चर्चा की और सुधार हेतु सुझाव दिए। साथ ही बाजार संभावनाओं, फंडिंग, स्केलिंग और चुनौतियों से निपटने के संबंध में उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में इन्क्यूबेशन सेंटर के नोडल अधिकारी सहायक नोडल अधिकारी और अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

निराकरण के जनसुनवाई में 600 से अधिक आवेदकों की समस्याएं सुनीं, कलेक्टर ने दिए त्वरित निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर विकास मिश्रा ने 600 से अधिक आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। सुबह 11 बजे से शाम 6:30 बजे तक चले इस कार्यक्रम में जिलेभर के नागरिक अपनी समस्याओं के साथ उपस्थित रहे। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं और बुजुर्गों के आवेदनों को प्राथमिकता दी गई ताकि उन्हें अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकरणों का निराकरण संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित



किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक आवेदक को आवेदन के निराकरण की निर्धारित समयवधि स्पष्ट रूप से बताई जाए और निराकरण होने पर स्वयं सूचित किया जाए।

आवेदकों की समस्याओं के निराकरण के साथ-साथ आधार से संबंधित मामलों के लिए विशेष पहल की गई आधार में त्रुटियों के कारण योजनाओं का लाभ न मिलने वाले हितग्राहियों

की समस्या के समाधान हेतु आधार टीम मौके पर उपलब्ध रही बायोमेट्रिक और डेमोग्राफिक अपडेट की प्रक्रिया पूरी की गई और नए आधार कार्ड भी बनाए गए। इसके अतिरिक्त,



जनसुनवाई में आयोजित मेडिकल शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नागरिकों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया सामान्य जांच के साथ ही रक्तचाप, शुगर और अन्य

परीक्षण किए गए। चिकित्सकों द्वारा परामर्श प्रदान किया गया आवश्यक दवाइयां वितरित की गई और गंभीर मामलों को जिला चिकित्सालय या संबंधित स्वास्थ्य केंद्र में रेफर किया गया।

जल गंगा संवर्धन अभियान का सतत् संचालन, जनसहभागिता से मिल रहा व्यापक समर्थन



मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। जनपद पंचायत रामपुर नैकिन अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहरियाकला में जल गंगा संवर्धन अभियान का तृतीय चरण सतत् रूप से संचालित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य जल संरक्षण, जल स्रोतों की सुरक्षा और ग्रामीण समुदाय में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के तहत स्थानीय नागरिकों और अधिकारियों-कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता से तालाबों की सफाई, जलाशयों की मरम्मत और जल संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

रहे हैं ग्रामवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सामूहिक प्रयासों को मजबूती प्रदान की है। इस अभियान के माध्यम से जल संरक्षण के महत्व को ग्रामीण समुदाय में प्रत्यक्ष रूप से दिखाया जा रहा है लोगों की भागीदारी से यह स्पष्ट हो रहा है कि जनसहभागिता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को अधिक प्रभावी और स्थायी बनाया जा सकता है। अभियान के दौरान किए जा रहे कार्यों में तालाबों की सफाई, जलाशयों की मरम्मत और जल संरक्षण संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं।

बेतुकी बयानबाजी

संपादकीय

माना कि चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों में तीखी बयानबाजी होती है, पर इसकी भी एक सीमा होती है। वोट बैंक के लोभ में किसी नेता को इस हद तक नहीं चले जाना चाहिए कि उससे देश के शत्रुओं को लाभ मिले।

चुनावों के समय कैसी घोर गैर जिम्मेदाराना बयानबाजी होती है, इसका उदाहरण है पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का यह विचित्र प्रश्न कि क्या भाजपा के पास चुनाव से पहले एक और पहलगाय हमले के लिए कोई

खाका तैयार है? निःसंदेह वे संकेत रूप में यह कहना चाहती हैं कि पहलगाय आतंकी हमले के पीछे भाजपा का हाथ था। यह पहली बार नहीं कि जब किसी नेता ने पहलगाय आतंकी हमले को लेकर बेजा बयान दिया हो। इस हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने ऐसे बयान दिए थे कि आखिर आतंकीयों के पास इतना समय कहा था कि वे लोगों को मारने के पहले उनका मजबूत पृष्ठते? कुछ ने भारत सरकार पर पहलगाय गए पर्यटकों को सुरक्षा में जानबूझकर ढिलाई बरतने

के आरोप मढ़े थे। इसे भी विस्मृत नहीं किया जा सकता कि पुलवामा आतंकी हमले के बाद भी कुछ नेताओं ने अपने संकीर्ण स्वार्थों को सिद्ध करने के फेर में केंद्र सरकार को ही कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की थी। यह साफ है कि ममता बनर्जी ने अपने चोट बैंक को तुट करने के लिए बेतुका बयान दिया, लेकिन ऐसा करके उन्होंने राष्ट्रीय हितों को गंभीर

क्षति ही पहुंचाई। उन्होंने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को उस घमकी के सिलसिले में उन्नत बयान दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि यदि भारत ने फिर से अपने लोगों पर ऐसी कोई कार्रवाई की, जिसका दोष पाकिस्तान पर मढ़कर उसे निशाना बनाया तो हम कोलकाता तक हमले करेंगे। निश्चित रूप से पाकिस्तानी रक्षा मंत्री यही

कहना चाहते हैं कि पहलगाय हमले से हमारा कोई लेना-देना नहीं था और यह तो भारत का अपना कृत्य अर्थात् फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन था, ताकि पाकिस्तान को निशाना बनाया जा सके।

उन्होंने यह बयान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से इस्लामाबाद को दी गई इस चेतानवी के बाद दिया कि यदि पाकिस्तान से दोबारा आतंकी हमले हूए तो भारत अर्थात् पूर्व बहाल करेगा। जैसे-जैसे पहलगाय हमले की बरसी करीब आ रही है, पाकिस्तान फिर से इस आतंकी हमले को

भारत का अपना गुप्त ऑपरेशन करार देने में लगा हुआ है। यह निराशाजनक और शर्मनाक है कि ममता बनर्जी एक तरह से उसी झूठ को उच्चारित कर रही हैं, जिसे पाकिस्तान दोहरा रहा है। माना कि चुनावों के अवसर पर राजनीतिक दलों में तीखी बयानबाजी होती है, पर इसकी भी एक सीमा होती है। वोट बैंक के लोभ में किसी नेता को इस हद तक नहीं चले जाना चाहिए कि उससे देश के शत्रुओं को लाभ मिले।

नई उम्मीद वाली आप पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों ?

चौरस वर्षणय

आम आदमी पार्टी ने भारतीय राजनीति में एक नई उम्मीद जगाई थी। भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन से उभरी पार्टी पारदर्शिता, ईमानदारी और जनभागीदारी के वादों के साथ आजादी वाले तेवर के साथ नायक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली-पानी जैसे मुख्य मुद्दों पर उल्लेखनीय काम कर लोगों का विश्वास जीता। लेकिन समय के साथ कई ऐसे कारण सामने आए हैं, जिनसे जनता के एक वर्ग में आप पार्टी मोहभंग की स्थिति बनी है। शुरुआत में आप ने नई राजनीति का दावा किया था, लेकिन समय के साथ वही परंपरागत राजनीतिक रणनीतियां अपनाते के आरोप लगे। दल-बदल, राजनीतिक समझौते और सत्ता बनाए रखने की प्रार्थमिकता ने इसके मूल आदर्शों पर सवाल खड़े किए। जिस पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई से शुरुआत की, उसी पर अब विभिन्न घोटालों के आरोप लगे हैं। खासकर दिल्ली की शराब नीति को लेकर उठे विवाद ने पार्टी को छवि को नुकसान पहुंचाया। इससे जनता के बीच भरोसे में कमी आई है। समय-समय पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का बाहर होना या निष्कासन, जैसे कि योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण का अलग होना, संगठन के भीतर अस्थिरता और केंद्रीकरण की ओर इशारा करता है। धीरे-धीरे यह नई उम्मीद वाली पार्टी अपनों के हाशिये पर क्यों है यह चिंतन का विषय है।

दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी और उसके युवा चेहरे राज्यसभा राघव चड्ढा के बीच उभरे विवाद ने फिर एक बार पुरानी बातल में नई शराब वाली स्थिति व इसको लेकर आम आदमी पार्टी पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला केवल एक व्यक्ति और पार्टी के बीच मतभेद का नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों में अनुशासन, पारदर्शिता और नेतृत्व शैली की भी परीक्षा है। इसका जीता जागता उदाहरण पहले भी सामने आए हैं जिनमें प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास सहित अन्य चेहरे अलग हो गए। कुमार आप पार्टी के वह नेता थे जो अरविंद केजरीवाल के साथ उस दौर से थे जब उन्होंने अपनी नौकरी सहित सब कुछ दांव पर लगाकर साथ दिया था। उनके बाद आम आदमी पार्टी में कई दौर ऐसे आ चुके हैं जिनमें अन्य कद्दावर नेतागण योगेंद्र यादव, प्रशांत भूषण, शाजिवा इन्फो, आशुतोष, कपिल मिश्रा, अलका लांबा, कैलाश गहलोत, मयंक गांधी, अंजलि दमानिया, सुभाष चौर, आनंद कुमार सहित अन्य नाम भी साथ छोड़ चुके हैं व स्वाति मालीवाल आम आदमी पार्टी को छोड़ चुके हैं। अब एक नाम और शामिल हो रहा है वह है राघव चड्ढा, जो कि प्रमुख युवा नेताओं में गिने जाते हैं, कम समय में राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन हाल के घटनाक्रमों ने उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच खिंचाव की स्थिति को उजागर मनपड़े को उजागर किया है। आरोप-प्रत्यारोप, निर्णय प्रक्रिया में मतभेद और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा—ये सभी तत्व इस विवाद को जटिल बनाते हैं। राजनीतिक दल किसी एक व्यक्ति से बड़े होते हैं। आप ने हमेशा सामूहिक नेतृत्व और पारदर्शिता की बात की है। ऐसे में यदि पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता सार्वजनिक रूप से अलग रख अपनाता है, तो यह संगठनात्मक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है। दूसरी ओर, लोकतंत्र में व्यक्तिगत विचारों की अभिव्यक्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। आप ने खुद को एक वैकल्पिक और स्वच्छ राजनीति के प्रतीक के रूप में स्थापित किया था। इस तरह के विवाद पार्टी की उस छवि को धक्का पहुंचा सकते हैं। विश्वास के लिए यह एक अवसर बन जाता है कि वह पार्टी की आंतरिक एकता और विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। यह विवाद आप नेतृत्व के सामने एक बड़ी चुनौती भी है—कैसे वे अस्थिरता को संभालते हैं। क्या पार्टी संवाद के जरिए समाधान निकालती है या अनुशासनात्मक विधि का रास्ता अपनाती है, इससे भविष्य की राजनीति तय होगी। आम आदमी पार्टी और राघव चड्ढा के बीच का यह टकराव भारतीय राजनीति के उस व्यापक सच को सामने लाता है, जहां व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और संगठनात्मक अनुशासन के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं होता। यदि इसे समझदारी और संवाद से सुलझाया गया, तो यह पार्टी को और मजबूत बना सकता है; लेकिन अगर विवाद बढ़ता है, तो इसका असर न केवल पार्टी बल्कि उसकी विश्वसनीयता पर भी पड़ेगा।

आप पर यह आरोप भी लगाता रहा है कि पार्टी में निर्णय लेने की शक्ति कुछ लोगों तक सीमित होती जा रही है। इससे

असम में सियासी रण और पहचान की राजनीति घुसपैठ यूसीसी और विकास के बीच चुनावी जंग तेज

असम की राजनीति एक बार फिर राष्ट्रीय मुद्दों और स्थानीय समीकरणों के संगम पर खड़ी दिखाई दे रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हालिया बयान—जिसमें उन्होंने घुसपैठियों पर सख्ती और चुनाव के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की बात कही और चुनावी बहस को और तीखा बना दिया है। इस बयान के साथ ही यह साफ हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को केवल विकास या स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे पहचान, सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के बड़े नैरेटिव से जोड़कर देख रही है।

कटिलाल मांडेट

असम की राजनीति हमेशा से बहुस्तरीय रही है। यहां जातीय पहचान, भाषाई विविधता, धार्मिक संतुलन और क्षेत्रीय अस्मिता जैसे मुद्दे गहराई से जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि चुनावी समीकरण भी सरल नहीं होते। राज्य में मुस्लिम आबादी लगभग 34 प्रतिशत के आसपास मानी जाती है, जो कई जिलों में निर्णायक भूमिका निभाती है। खासकर निचले असम और बराक वैली के क्षेत्रों में यह वोट बैंक चुनाव के नतीजों को प्रभावित करता है। दूसरी ओर, ऊपरी असम में असमिया हिंदू, आदिवासी और चाय बागान समुदायों का प्रभाव अधिक है। भाजपा का चुनावी गणित इन विविध समूहों के बीच संतुलन साधने पर आधारित है। पार्टी की रणनीति साफ तौर पर तीन स्तरों पर टिकती नजर आती है—घुसपैठ के खिलाफ सख्त रुख, विकास की राजनीति, और आदिवासी व स्थानीय समुदायों को सशक्त करने के वादे। नरेन्द्र मोदी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की जोड़ी को भाजपा एक मजबूत नेतृत्व के रूप में पेश कर रही है। यह नेतृत्व कानून व्यवस्था, बुनियादी ढांचे और कल्याणकारी योजनाओं के जरिए वादों को आकर्षित करने की कोशिश कर रहा है। घुसपैठ का मुद्दा असम में नया नहीं है, लेकिन इसे हर चुनाव में नए सिरे से उभारा जाता है। भाजपा इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और स्थानीय पहचान

से जोड़कर पेश करती है। पार्टी का तर्क है कि अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसंख्या संरचना को प्रभावित किया है और इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। इसी के साथ समान नागरिक संहिता का मुद्दा जोड़कर भाजपा एक व्यापक वैचारिक एजेंडा सामने रख रही है, जो उसके समर्थक वर्ग को एकजुट करता है।

हालांकि, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भाजपा ने आदिवासी समुदायों को यूसीसी के दायरे से बाहर रखने की बात कहकर एक संतुलन बनाने की कोशिश की है। असम में बोडो, मिसिंग, कार्बी, राभा जैसी कई जनजातियां हैं, जिनकी अपनी अलग सांस्कृतिक और सामाजिक पहचान है। इन समुदायों को आश्वस्त करना भाजपा के लिए जरूरी है, क्योंकि ये कई सीटों पर निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एक-एक गाय या भैंस देने जैसे वादे प्रतीकात्मक रूप से आर्थिक सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़े हैं, जो सीधे तौर पर आदिवासी और ग्रामीण मतदाताओं को प्रभावित कर सकते हैं। जातिवाद का फैक्टर भी असम की राजनीति में कम महत्वपूर्ण नहीं है। हालांकि यहां उत्तर भारत की तरह परंपरागत जाति समीकरण उतने स्पष्ट नहीं हैं, लेकिन समुदाय आधारित राजनीति बहुत मजबूत है। चाय बागान मजदूर समुदाय, जिसे अक्सर 'टी ट्राइब्स' कहा जाता है, लंबे समय से राजनीतिक दलों के लिए अहम वोट बैंक रहा है। भाजपा ने पिछले कुछ चुनावों में इस समुदाय में

अपनी पकड़ मजबूत की है, जबकि कांग्रेस पारंपरिक रूप से यहां प्रभाव रखती रही है। इसी तरह बोडो और अन्य जनजातीय समूहों के बीच क्षेत्रीय दलों का भी प्रभाव है, जिससे चुनावी मुकाबला त्रिकोणीय हो जाता है।

विकास का मुद्दा इस चुनाव में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। भाजपा यह दावा कर रही है कि पिछले वर्षों में असम में सड़क, पुल, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। निवेश और उद्योग को बढ़ावा देने की कोशिशें भी दिखाई देती हैं। यदि मतदाता इन दावों को स्वीकार करते हैं, तो भाजपा को इसका सीधा लाभ मिल सकता है। खासकर युवा मतदाता, जो रोजगार और बेहतर जीवन स्तर की अपेक्षा रखते हैं, विकास के एजेंडे से प्रभावित हो सकते हैं।

दूसरी ओर, कांग्रेस भी अपनी जमीन मजबूत करने की कोशिश में है। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी बेरोजगारी, महंगाई और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को उठकर भाजपा को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस का तर्क है कि भाजपा की नीतियां समाज में विभाजन पैदा करती हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकती हैं। अगर कोई मतदाता कांग्रेस को वोट देने का विचार करता है, तो उसके पीछे मुख्य कारण सामाजिक सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और आर्थिक असमानता के मुद्दे हो सकते हैं। कांग्रेस का एक और मजबूत पक्ष उसका पारंपरिक समर्थन आधार है, जिसमें मुस्लिम मतदाता, कुछ आदिवासी समूह और

ग्रामीण वर्ग शामिल हैं। यदि यह समर्थन एकजुट रहता है और क्षेत्रीय दलों के साथ तालमेल बनाता है, तो कांग्रेस भाजपा को कड़ी चुनौती दे सकती है। हालांकि, पिछले चुनावों में कांग्रेस को संगठनात्मक कमजोरी और नेतृत्व के अभाव का सामना करना पड़ा है, जिसे दूर करना उसके लिए जरूरी है। असम का चुनाव केवल दो दलों के बीच मुकाबला नहीं है, बल्कि यह कई स्तरों पर लड़ी जाने वाली लड़ाई है। यहां स्थानीय वनाम बहाव, विकास बनाम पहचान, और परंपरा बनाम आधुनिकता जैसे कई विमर्श एक साथ चलते हैं। यही वजह है कि हर चुनाव में परिणाम चौकाने वाले हो सकते हैं।

अंततः यह कहना गलत नहीं होगा कि असम का मतदाता बेहद जागरूक और व्यावहारिक है। वह केवल भावनात्मक मुद्दों पर नहीं, बल्कि अपने हितों और भविष्य के ध्यान में रखकर निर्णय लेता है। भाजपा के लिए चुनौती है कि वह अपने वादों को विश्वसनीय बनाए और सभी वर्गों का विश्वास जीत सके। वहीं कांग्रेस के लिए जरूरी है कि वह एक मजबूत वैकल्पिक दृष्टि प्रस्तुत करे। इस चुनाव में यह देखा दिलचस्प होगा कि मतदाता सुरक्षा और पहचान के मुद्दों को प्रार्थमिकता देता है या विकास और सामाजिक संतुलन को। असम की जनता का फैसला न केवल राज्य की राजनीति की दिशा तय करेगा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी इसके दूरगामी प्रभाव देखने को मिल सकते हैं।

(आलेख : सत्येंद्र रंजन)

ईरान पर हमला कर अपनी वैश्विक प्रभुता को जताने का अमेरिका का दांव उलटा पड़ चुका है। देखते-देखते यह युद्ध विश्व शक्ति संतुलन में आ चुके अमूल बदलाव को हम सबके सामने उजागर करता जा रहा है। सामरिक विशेषज्ञ तो अब यहां तक कह रहे हैं कि रणनीतिक सोच और सैन्य ढांचे -- दोनों मामलों में अमेरिका बीसवीं सदी में सिमटा रह गया। नतीजतन, 21वीं सदी की नई व्यूह रचना और इसमें उभरे नए मोर्चों पर हो रहे मुकाबलों में उसके लिए वर्चस्व बनाए रख पाना कठिन हो गया है। यह समझ ठोस रूप ले रही है कि जब कभी अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म होगा, वैश्विक संचालन के नए ढांचों के आकार लेने की प्रक्रिया गति पकड़ लेगी। जाहिरा तौर पर संचालन के इन नियमों को अब वॉशिंगटन (यानी अमेरिका) के नहीं लिखा जाएगा, जैसा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद हुआ था। उन नियमों को तय करने में संभवतः अमेरिका की अब भी भूमिका होगी, लेकिन वह महज एक भागीदार के रूप में होगी। इस मामले में उसे अन्य समकक्ष भागीदारों के साथ तालमेल बैठाना होगा। हमारे लिए महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या उन 'समकक्ष' भागीदारों में भारत भी एक होगा? पिछली बार जब विश्व संचालन के नियम तय हुए और उनके अनुरूप संस्थाएं बनाई गईं, तब भारत अपनी ब्रिटेन का गुलाम था। ग्लोबल साउथ के ज्यादातर देशों की तब वही स्थिति थी। मगर इस बार

इस प्रक्रिया में उनमें से कई देशों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। क्या भारत उनमें से एक होगा? **बहरहाल, इस प्रश्न पर विचार के पहले उचित होगा कि पश्चिम एशिया के मौजूदा युद्ध के बाद किन बड़े परिवर्तनों का अनुमान है, उन पर हम एक नजर डाल लें :** यह लगभग तय-सा है कि इस युद्ध के बाद पश्चिम एशिया की संरचना में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। ईरान (अगर निर्णायक रूप से पराजित नहीं हुआ तो) उस क्षेत्र की प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित होगा। खाड़ी देश देर-सबेर ईरान के साथ बेहतर संबंध बना कर चलने की राह अपनाएंगे। ओमान और कतर ने ऐसे संकेत अभी से दे दिए हैं। सऊदी अरब और यूएई अभी असमंजस में हैं। वे ईरान का प्रभाव रोकना चाहते हैं, लेकिन अपनी ताकत से ऐसा करना उनके लिए संभव नहीं है। अपनी जनता में प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से वे उस युद्ध का हिस्सा भी नहीं बनना चाहते, जिसकी खेर इजराइल के हाथ में हो। बहरैन और कुवैत का अस्तित्व आगे चल कर खतरे में पड़ सकता है। (1971 तक बहरैन ईरान का हिस्सा था, जिस पर से तत्कालीन शाह रजा पहलवी शासन ने ब्रिटेन के दबाव में अपना दावा छोड़ दिया था। कुवैत पर इराक का पारंपरिक दावा रहा है।)

फिलहाल ईरान ने होरमुज जलडमरूमध्य पर अपना नियंत्रण दिखा दिया है। वह चाहता है कि इस जल मार्ग पर उसकी संप्रभुता को दुनिया मान्यता दे। ऐसा होने का मतलब दुनिया भर में मुक्त नौवहन के उस कायदे का खत्म होना होगा, जिस पर अमल को महाशक्तियां सुनिश्चित करती रही हैं। आधुनिक युग में अमेरिका वर्चस्व का एक आधार ऐसा कर सकने की उसकी सैन्य शक्ति भी रहा है। लेकिन अब अमेरिका ऐसा कर सकने में खुद को अक्षम पा रहा है। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि जिन देशों को होरमुज जल मार्ग बंद होने से दिक्कत है, वे उसे खुलवाने की हिम्मत दिखाएं। क्या यूरोपीय देश, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया आदि ऐसा करने की पहल करेंगे? इस सवाल को बेहतर ढंग से ऐसे पूछ जा सकता है कि क्या वे ऐसा करने में सक्षम हैं? यह तो तय है कि चीन ऐसी पहल नहीं करेगा। इसलिए कि ईरान ने चीनी जहाजों के लिए वह मार्ग खोल रखा है। फिर होरमुज पार करने के लिए चीनी मुद्रा युवान में भुगतान की शर्त लगा कर वह असल में चीन के हित में काम कर रहा है। युवान में भुगतान की शर्त के साथ ईरान ने पेट्रो-डॉलर सिस्टम को चुनौती दी है। अमेरिकी मुद्रा को वैश्विक मुद्रा बनाए रखने का आधार पेट्रो-डॉलर सिस्टम ही है। तेल उत्पादक देशों

ने पेट्रोलियम पदार्थों को सिर्फ डॉलर में बेचने के चलन को छोड़ दिया, तो तमाम देशों के लिए अपने विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर को रखने की अनिवार्यता खत्म हो जाएगी। यह अमेरिकी समृद्धि पर जोरदार प्रहार होगा। काबिल-ए-गौर है कि डॉलर से अपने काराबार को अलग करने की कोशिशें इस युद्ध के पहले ही जोर पकड़ चुकी थीं। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने पर रूस को पश्चिमी देशों ने डॉलर सिस्टम से बाहर किया, तो उसे विभिन्न देशों ने अपने लिए चेतानवी के रूप में देखा। तब से विदेशी मुद्रा भंडार में स्वर्ण की मात्रा बढ़ाने का रुझान जोर पकड़ता गया है। सोना अब वैश्विक केंद्रीय बैंक भंडार का 24 फीसदी हिस्सा बन चुका है, जो पहली बार 1990 के दशक के मध्य के बाद अमेरिकी ट्रेजरी (21 फीसदी) से अधिक हुआ है। पिछले एक दशक में केंद्रीय बैंकों के भंडार में सोने का प्रतिशत लगभग तीन गुना हो गया है, जिसका कारण विभिन्न देशों के सेंट्रल बैंकों का सोना खरीदारी की मुहिम में जुटना और उसके परिणामस्वरूप सोने की कीमत में तेजी से हुई बढोत्तरी है। इसी दौरान सेंट्रल बैंकों ने अमेरिकी सरकारी ऋण में अपनी हिस्सेदारी लगातार घटाई है। यह बदलाव डॉलर-आधारित परिसंपत्तियों से दूरी बनाने का संकेत देता है।

कोरियन ड्रामा से भारतीय सीरियल तक: मनोरंजन की दिशा पर पुनर्विचार

ललित गर्ग

कोरियन ड्रामा का सबसे बड़ा गुण यह है कि वे जीवन की वास्तविक समस्याओं को बहुत संवेदनशील और मानवीय तरीके से प्रस्तुत करते हैं। उनमें परिवार है, प्रेम है, संघर्ष है, बीमारी है, मानसिक तनाव है, करियर की समस्याएं हैं, सामाजिक दबाव है, लेकिन इन सबके साथ समाधान भी है, आशा भी है, सकारात्मकता भी है। वे केवल समस्या नहीं दिखाते, बल्कि जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं। उनके पात्र अतिनाटकीय या अवास्तविक नहीं होते, बल्कि आम आदमी जैसे होते हैं, जिनकी समस्याएं भी वास्तविक होती हैं और संघर्ष भी वास्तविक होता है। कोरियन ड्रामा की एक विशेषता यह भी है कि वे सीमित एपिसोड में एक पूर्ण कहानी प्रस्तुत करते हैं। उनमें अनावश्यक विस्तार, अंतहीन षड्यंत्र और कृत्रिम मोड़ नहीं होते। कहानी का एक उद्देश्य होता है और वह उद्देश्य पूरा होते ही कहानी समाप्त हो जाती है। इस कारण उनमें कसावट, गुणवत्ता और प्रभाव बना रहता है। वे दर्शकों के समय और संवेदना दोनों का सम्मान करते हैं।

यदि हम भारतीय टीवी सीरियल्स की ओर देखें, तो स्थिति इसके विपरीत दिखाई देती है। अधिकांश धारावाहिक सास-बहू के अंतहीन संघर्ष, पारिवारिक षड्यंत्र, पुनर्जन्म, चमत्कार, बदला, इत्यादि और दिखावे के जीवन के इर्द-फिर्द घूमते रहते हैं। एक ही कहानी वर्षों तक चलती



रहती है और उसमें वास्तविक जीवन से कोई संबंध नहीं रह जाता। परिवार, जो प्रेम, सहयोग और संवाद का केंद्र होना चाहिए, उसे षड्यंत्र और राजनीति का केंद्र बना दिया जाता है। इससे समाज में नकारात्मक मानसिकता का निर्माण होता है। भारतीय फिल्मों की स्थिति भी बहुत अलग नहीं है। अधिकांश फिल्में मारधाड़, हीरोगिरी, बदला, अपराध या अवास्तविक प्रेम कहानियों पर आधारित होती हैं। उनमें वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान पर बहुत कम काम होता है। जबकि आज समाज जिन समस्याओं से जूझ रहा है, वे अलग हैं—मानसिक तनाव, अवसाद, अकेलापन, पारिवारिक विघटन, पीढ़ियों के बीच संवाद की

कमी, बेरोजगारी, करियर का दबाव, स्वास्थ्य समस्याएं, नशा, पर्यावरण संकट आदि। इन विषयों पर आधारित मनोरंजन बहुत कम देखने को मिलता है। कोरियन ड्रामा की लोकप्रियता का एक कारण यह भी है कि वे दर्शकों को भावनात्मक रूप से स्वस्थ बनाते हैं। उन्हें देखकर व्यक्ति केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ता है, जीवन को समझता है, रिश्तों की अहमियत को समझता है, धैर्य और संघर्ष की प्रेरणा पाता है। कई कोरियन ड्रामा मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद, ऑटिज्म, अस्पताल जीवन, वकीलों के संघर्ष, शिक्षकों के जीवन, छोटे उद्यमियों के संघर्ष जैसे विषयों पर बने हैं। वे

दर्शकों को संवेदनशील बनाते हैं, आक्रामक नहीं। भारत में भी कुछ अच्छे धारावाहिक बने हैं, जैसे 'हम लोग', 'बुनियाद', 'संजीवनी', 'बालिका वधू', 'उकता', 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' आदि, जिन्होंने समाज को कुछ सकारात्मक संदेश दिए। लेकिन ऐसे धारावाहिकों की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मनोरंजन का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं होना चाहिए, बल्कि मन का निर्माण होना चाहिए। यदि फिल्म या धारावाहिक देखकर व्यक्ति अधिक आक्रामक, असंतुष्ट, तनावग्रस्त या अवास्तविक जीवन की संख्या बहुत कम है। आज जरूरत ऐसे धारावाहिकों और फिल्मों की है जो समाज को मानसिक रूप से स्वस्थ बनाएं, जीवन जीने की कला सिखाएं, तनाव से मुक्ति का मार्ग दिखाएं, परिवार को जोड़ने का संदेश दें और सकारात्मक सोच का निर्माण करें।

मित्रता और जीवन के उद्देश्य के महत्व को दिखाएँ। यदि इस दिशा में काम किया जाए, तो मनोरंजन उद्योग समाज के लिए वरदान बन सकता है।

यह भी विचारणीय है कि आखिर क्यों हमारे अधिकांश सीरियल सास-बहू के संघर्ष से शुरू होकर षड्यंत्र और बदले पर समाप्त होते हैं, और हमारी फिल्में मारधाड़ और हीरोगिरी पर आधारित होती हैं। इसका एक कारण यह है कि निर्माता यह मानते हैं कि दर्शक यही देखना चाहते हैं। लेकिन यह आधा सच है। वास्तविकता यह है कि दर्शकों को अच्छे, संवेदनशील और सार्थक कंटेंट मिलेगा, तो वे उसे भी उतना ही पसंद करेंगे, जैसा आज वे कोरियन ड्रामा को पसंद कर रहे हैं। इसका अर्थ है कि समस्या दर्शकों की पसंद में नहीं, बल्कि कंटेंट की दिशा में है। समय आ गया है कि भारतीय मनोरंजन जगत अपनी दिशा पर पुनर्विचार करे। उन्हें यह सोचना होगा कि वे समाज को किस दिशा में ले जा रहे हैं। क्या वे समाज को संवेदनशील, सकारात्मक और स्वस्थ बना रहे हैं, या केवल मनोरंजन के नाम पर नकारात्मकता, हिंसा और षड्यंत्र को बढ़ावा दे रहे हैं? मनोरंजन उद्योग केवल उद्योग नहीं है, वह समाज निर्माण का माध्यम भी है।

कोरियन ड्रामा हमें यह सिखाते हैं कि मनोरंजन भी समाज को शिक्षित कर सकता है, प्रेरित कर सकता है, भावनात्मक रूप से परिपक्व बना सकता है और जीवन को समझने की दृष्टि दे सकता है।

11.5 लाख की स्मैक के साथ दो तस्कर गिरफ्तार: बैराड़ नगर परिषद अध्यक्ष का भांजा भी शामिल



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले की बैराड़ थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर मंगलवार को दो स्मैक तस्करों

को गिरफ्तार किया है। इनमें नगर परिषद अध्यक्ष मालती लक्ष्मण रावत का भांजा आशिक पिता शिशुपाल रावत (20) और टिकल उर्फ शेरा पिता

रामेश्वर रावत (20) निवासी कालामद बैराड़ शामिल हैं। थाना प्रभारी सुरेश शर्मा ने बताया कि 7 अप्रैल 2026 की सुबह सूचना मिली थी कि सिद्ध



बाबा स्थान, बरोद रोड बैराड़ पर दो युवक स्मैक बेचने के लिए खड़े हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताया गए हुलिये के

आधार पर दोनों संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के दौरान आरोपी आशिक के पास से 32.29 ग्राम और टिकल के पास से 23.70 ग्राम स्मैक

बराबत हुई। कुल 55.99 ग्राम स्मैक की कीमत लगभग 11.5 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। पृष्ठताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे करीब दो साल से इस अवैध कारोबार में लिप्त थे वे शिवपुरी से 3500 रुपए प्रति ग्राम के हिसाब से स्मैक खरीदते थे और उसे छोटी-छोटी पुड़ियों में बांटकर 10 हजार रुपए प्रति ग्राम तक बेचते थे इससे होने वाले मुनाफे को दोनों आपस में बांट लेते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस अब आरोपियों से जुड़े अन्य सत्यापनों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी कर रही है।

बगीचा सरकार की कसम खाने वाले 12 पार्षद भोपाल पहुंचे



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका में पिछले साल 'बगीचा सरकार' की कसम से शुरू हुआ विवाद एक बार फिर गहरा गया है। अध्यक्ष गायत्री शर्मा के विरोध में 12 पार्षद भोपाल पहुंचे उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात कर अध्यक्ष को हटाने की मांग की। पार्षदों ने प्रदेश अध्यक्ष को बताया कि नगर पालिका में भ्रष्टाचार व्याप्त है उनका आरोप है कि अध्यक्ष पार्षदों और कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार करती हैं जिससे वार्डों में विकास कार्य बाधित हो रहे हैं पार्षदों का कहना है कि इन गतिविधियों से शिवपुरी में भाजपा की छवि

धूमिल हो रही है। 12 पार्षदों ने इस्तीफे भी सौंपे: मुलाकात के दौरान सभी 12 पार्षदों ने अपने इस्तीफे भी प्रदेश अध्यक्ष को सौंप दिए इस पर हेमंत खंडेलवाल ने उन्हें आश्वासन दिया कि चूंकि वे पहली बार उनके पास आए हैं इसलिए संगठनात्मक स्तर पर पूरे मामले की जांच की जाएगी और 10 दिन के भीतर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नपाध्यक्ष को हटाने कसम खाई: उल्लेखनीय है कि 11 जून 2025 को इन्हीं पार्षदों ने करेरा स्थित बगीचा सरकार मंदिर में अध्यक्ष को हर हाल में हटाने की कसम खाई थी।

अवैध खनन पर कड़ा प्रहार: जिला टास्क फोर्स सख्त, सतत निगरानी के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से खनिज विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स समिति की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने की जो समय-समया की बैठक के पश्चात संपन्न हुई बैठक में मुख्य एवं गौण खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध अब तक की गई कार्रवाइयों की विस्तृत समीक्षा की गई विभागावार प्रगति का आकलन करते हुए कमियों की पहचान की गई और उन्हें दूर



कर कार्रवाई को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जिले में अवैध गतिविधियों पर सतत और कड़ी निगरानी रखी जाए उन्होंने कहा कि अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण से सिलसिले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त और त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही

संचालनालय, भौमिकी एवं खनिकर्म, छत्तीसगढ़ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में राजस्व, पुलिस, परिवहन एवं खनिज विभाग के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ नियमित संयुक्त अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। सूचना तंत्र को

और अधिक मजबूत करने तथा अवैध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा जिले के सभी चेक पोस्टों पर सतत निगरानी रखने, संदिग्ध वाहनों की सघन जांच करने और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि वे अवैध खनन से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी प्रशासन को दें ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एससी-एसटी विद्यार्थियों के लिए बड़ा मौका, विद्यालयों में प्रवेश हेतु अभिव्यक्ति आमंत्रित

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में आदिवासी विद्यार्थियों के बेहतर शैक्षणिक और कैरियर भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की गई है कलेक्टर (आदिवासी विकास) कार्यालय द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कृष्ट शिक्षा योजना के अंतर्गत प्रतिष्ठित निजी आवासीय शिक्षण संस्थानों में निःशुल्क अध्ययन हेतु विद्यार्थियों से 'रुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित की गई है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के प्रतिभावाण विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें प्रतिस्पर्धी वातावरण में आगे बढ़ने का

अवसर देना है योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को राज्य के उत्कृष्ट निजी विद्यालयों में प्रवेश दिलाकर उनकी पढ़ाई का संपूर्ण खर्च शासन द्वारा वहन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार यह योजना कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए लागू है। इसके माध्यम से न केवल शिक्षा का स्तर सुधरेगा बल्कि विद्यार्थियों को बेहतर कैरियर विकल्प चुनने में भी सहायता मिलेगी। इच्छुक विद्यार्थी एवं अभिभावक निर्धारित प्रारूप में अपनी रुचि की अभिव्यक्ति 23 अप्रैल 2026, शाम 5:00 बजे तक कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग में जमा कर सकते हैं। पर अवलोकन किया जा सकता है।

तालाब में डूबने से 7 साल के बच्चे की मौत



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र के धौरिया गांव में एक तालाब में डूबने से सात वर्षीय बच्चे की मौत हो गई परिजन उसे पहले बैराड़ के स्वास्थ्य केंद्र और बाद में मेडिकल कॉलेज ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार बाबू धाकड़ (7) पुत्र

गजानंद धाकड़ अपने दो दोस्तों के साथ गांव के तालाब में नहाने गया था। नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूब गया उसके साथ मौजूद बच्चों ने किसी तरह बाहर निकलकर ग्रामीणों को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बच्चे की तलाश शुरू की कुछ देर बाद उसे पानी से बाहर निकाला गया परिजन तुरंत उसे बैराड़ के स्वास्थ्य केंद्र ले गए जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया हालांकि मेडिकल कॉलेज पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी।

ज्ञानभारतम पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान को मिली गति: संरक्षण और डिजिटलीकरण पर जोर

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में जिले में 'ज्ञानभारतम पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान' को गति देने के उद्देश्य से कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने की। बैठक में जिले में उपलब्ध प्राचीन पाण्डुलिपियों के संरक्षण, दस्तावेजीकरण एवं डिजिटलीकरण को लेकर विस्तृत चर्चा तैयार की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि धार्मिक स्थलों, निजी संग्रहों, शैक्षणिक संस्थानों एवं पुस्तकालयों में सुरक्षित पाण्डुलिपियों का सुनिश्चित सर्वेक्षण कर उनका समुचित डेटा संकलन किया जाए ताकि इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित

किया जा सके। नोडल अधिकारी डॉ. विनोद पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान प्रभावी संचालन के लिए पंचायत सचिवों को मोबाइल एप के माध्यम से पंजीयन चिन्हांकन एवं सर्वेक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है वहीं नगरीय क्षेत्रों में यह कार्य नगर पंचायत प्रमुखों के माध्यम से किया जाएगा। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिले के महाविद्यालयों में इतिहास विभाग के मार्गदर्शन में छात्र-छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस क्रम में शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मनेन्द्रगढ़ के प्राचार्य एवं नोडल अधिकारी को निर्धारित समय-समया में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों

के इतिहास व्याख्याताओं को भी इस अभियान से जोड़ा जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पुराने पुराणों, सुव्यवस्थित और राजपरिवारों एवं जनजातीय समाज के प्रमुखों से संपर्क स्थापित कर उनके पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों का चिन्हांकन एवं मोबाइल एप में पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पाण्डुलिपियां हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं जिनका संरक्षण और डिजिटलीकरण आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यंत आवश्यक है। बैठक में सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए अभियान को समय-समया में पूर्ण करने तथा जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खनिज परिवहन में बड़ा बदलाव; खनिज ऑनलाइन 2.0 लागू

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में खनिज परिवहन व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। खनिज साधन विभाग के निर्देशानुसार 1 अप्रैल 2026 से खनिजों के परिवहन हेतु मैन्युअल अभिवहन पास की व्यवस्था पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। अब खनिजों का परिवहन केवल 'खनिज ऑनलाइन 2.0' पोर्टल के माध्यम से जारी (इलेक्ट्रॉनिक ट्रांजिट पास) के जरिए ही किया जाएगा। जिला खनिज अधिकारी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इस नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य खनिज परिवहन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा संपूर्ण प्रणाली को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर संचालित करना है।

विभाग का मानना है कि इस पहल से न केवल प्रक्रियाओं में सरलता आएगी बल्कि निगरानी भी अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। नई व्यवस्था के तहत सभी वाहन मालिकों, परिवहनकर्ताओं एवं ठेकेदारों के लिए यह अनिवार्य कर दिया गया है कि वे अपने वाहनों का पंजीयन 'खनिज ऑनलाइन 2.0' पोर्टल पर कराएं। पंजीयन के उपरांत ही संबंधित वाहन को दृष्टिकर्ता के माध्यम से खनिज परिवहन की अनुमति दी जाएगी। बिना पंजीयन के किसी भी वाहन को खनिज परिवहन की अनुमति नहीं दी जाएगी। अधिकारियों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई वाहन बिना पंजीयन के खनिज परिवहन करते हुए पाया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

शिवपुरी में युवक ने जहर खाकर दी जान, मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान हुई मौत

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। सिरसोद थाना क्षेत्र के ग्राम रौंधा में सोमवार रात 23 वर्षीय मनीष जाटव ने जहर खा लिया। गंभीर हालत में उसे पहले जिला अस्पताल ले जाया गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सोमवार रात जैसे ही मनीष जाटव द्वारा जहर खाने की खबर गांव में फैली पूरे रौंधा गांव में हड़कंप मच गया परिजन और आसपास के लोग तुरंत उसे अस्पताल लेकर पहुंचे मनीष की हालत काफी गंभीर थी इसलिए उसे पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया यह डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार किया लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों



ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन हालत ज्यादा बिगड़ने के कारण देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई मनीष जाटव अपने परिवार में तीन भाइयों में सबसे छोटा था उसकी मौत के बाद परिवार में गहरा सदमा है और घर का माहौल गमगीन बना हुआ है परिजनों के अनुसार मनीष के पिता प्रहलाद की करीब छह साल पहले कैंसर से मृत्यु हो चुकी थी इसके बाद से परिवार

पहले ही कठिन परिस्थितियों का सामना कर रहा था। परिजनों ने बताया कि मनीष का स्वभाव कुछ चिड़चिड़ा था। वह अक्सर गुस्से में आ जाता था और एक बार गुस्से में अपना मोबाइल भी तोड़ चुका था। फिलहाल मनीष द्वारा यह कदम क्यों उठाया गया इसका कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है और हर पहलू से जानकारी जुटा रही है। मेडिकल कॉलेज चौकी पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम किया है। मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मेडिकल चौकी प्रभारी नंद किशोर गौत ने बताया कि युवक की मौत जहर खाने से हुई है मामले की आगे की जांच विरसोद थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

नपाध्यक्ष बोलीं- चार दिन में CMO का मुंह काला करूंगी वह मेरी बदौलत यहां डटा है; एकाउंट को भुगतान रोकने के निर्देश दिए

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा के दो वीडियो सामने आए हैं जो तेजी से वायरल हो रहे हैं इन वीडियो में अध्यक्ष लेखा शाखा में पहुंचकर कर्मचारियों पर नाराजगी जताती नजर आ रही हैं और मुख्य नगर पालिका अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाते हुए विवादित बयान देती दिखाई दे रही हैं। बताया जा रहा है कि यह घटनाक्रम नगर पालिका के एकाउंट सेक्शन में हुआ। अध्यक्ष गायत्री शर्मा अपने पति संजय शर्मा के साथ अचानक लेखा शाखा पहुंचीं। वहां मौजूद कर्मचारियों से उन्होंने तीखे लहजे में सवाल किए जिसके बाद कर्मचारी कक्ष से बाहर चले गए। इसके बाद अध्यक्ष ने कैशबुक मंगवाई और स्पष्ट कहा कि उनकी जानकारी के बिना एक



रुपए का भी भुगतान नहीं किया जाएगा उन्होंने नगर पालिका के बैंक खातों की जानकारी भी मांगी और उन्हें बंद कराने तक की बात कही। वायरल वीडियो में अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए उन्हें 'चोर' कहती नजर आ

रही हैं। साथ ही कर्मचारियों से यह भी कहा गया कि भुगतान से जुड़ा कोई भी आदेश पहले उन्हें बताया जाए। उन्होंने यह तक कहा कि जब तक वह पद पर हैं नगर पालिका उनके नियंत्रण में है। मामले को

लेकर प्रभारी लेखापाल रविकांत झा को लिखित शिकायत दी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया फाइलें छीनी गईं और बिना पावती के अपने पास रख

ली गई साथ ही कर्मचारियों को धमकाने और भुगतान रोकने के निर्देश देने की बात भी सामने आई है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि अध्यक्ष और उनके पति कैशबुक को अपने साथ ले गए और किसी भी प्रकार का भुगतान न करने के निर्देश दिए साथ ही कर्मचारियों को नौकरा से निकालने की धमकी भी दी जाती है जिससे वे मानसिक रूप से परेशान हैं। वहीं एक अन्य वीडियो में नगर पालिका अध्यक्ष गायत्री शर्मा ने साफ कहा कि अगर उनकी जानकारी के बिना एक रुपए का भी भुगतान हुआ तो उसकी जिम्मेदारी एकाउंटेंट की होगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि काम संचालना संभव नहीं है तो लिखित में दे दिया जाए ताकि किसी दूसरे व्यक्ति को लेखा कार्य सौंपा जा सके।

इंटरनेशनल गणित ओलंपियाड में 25 स्वर्ण पदक: दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल का शानदार प्रदर्शन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। ज्ञान और प्रतिभा के संगम स्थल, सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनेन्द्रगढ़ ने एक बार पुनः अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन किया है। हाल ही में आयोजित प्रतिष्ठित गणित ओलंपियाड प्रतियोगिता में विद्यालय के 116 मेधावी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिनमें से 25 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस उल्लेखनीय सफलता ने न केवल विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाईयों प्रदान की है बल्कि विद्यालय के उच्च स्तरीय शिक्षण एवं गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन को भी प्रमाणित किया है कठिन गणितीय समस्याओं को सरलता एवं तार्किक दृष्टिकोण से हल कर विद्यार्थियों ने अपनी



असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. बसंत कुमार तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की कठोर मेहनत शिक्षकों के समर्पण तथा अभिभावकों के निरंतर सहयोग का परिणाम है उन्होंने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया। संस्था की निदेशिका पूनम सिंह ने भी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी कठिन साधना अथक परिश्रम एवं गणित विषय के प्रति गहरी रुचि का प्रतिफल है।

उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प, तार्किक सोच और सही मार्गदर्शन के साथ कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। विद्यालय में इस उपलब्धि का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया। सभी विजेता विद्यार्थियों को विशेष प्रातः सभा में सम्मानित कर मेडल पहनाकर शुभकामनाएं दी गईं। निरसदेह यह उपलब्धि विद्यालय के गौरवशाली इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में सदैव स्मरणीय रहेगी तथा भविष्य में भी उत्कृष्टता की नई ऊंचाईयों को प्राप्त करने की प्रेरणा देती रहेगी।

रतलाम-नागदा में रहेगा समर वेकेशन दो जोड़ी ट्रेन का स्टॉपेज

मीडिया ऑडिटर, रतलाम (निप्र)। समर वेकेशन के दौरान ट्रेनों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर एवं वलसाड से मऊ के बीच दो जोड़ी श्रौष्कालीन एक्सप्रेस ट्रेनें चलाने जा रहा है। यह ट्रेनें विशेष किराये के साथ रतलाम रेल मंडल के स्टेशनों से होकर चलेगी।

बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर स्पेशल: ट्रेन संख्या 05034 बांद्रा टर्मिनस-गोमती नगर स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को 23 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम (9.45/09.55 बुधवार) होते हुए गुरुवार को 7.45 बजे गोमती नगर पहुंचेगी। यह ट्रेन 7 अप्रैल से 12 मई तक चलेगी। इसी प्रकार,



ट्रेन संख्या 05033 गोमती नगर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार 14 बजे प्रस्थान कर रतलाम (9.00/09.10 बजे मंगलवार) होते हुए अगले दिन 20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। यह ट्रेन तत्काल प्रभाव से 11 मई तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बेरोवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगपुर सिटी, मथुरा, कासगंज, इज्जत नगर, पीलीभीत, मैलानी, सीतापुर, एवं झालिगांज पर उदरेगी।

वलसाड-मऊ स्पेशल: ट्रेन संख्या 05018 वलसाड-मऊ

स्वी प्रकार ट्रेन संख्या 05017 मऊ-वलसाड स्पेशल, मऊ से तत्काल प्रभाव से 9 मई 2026 क प्रति शनिवार को 6 बजे चलेगी। नागदा (4.28/04.30 रविवार) एवं रतलाम (5.15/05.25) बजे होते हुए रविवार को 12.35 बजे वलसाड पहुंचेगी।

इन स्टेशनों पर स्टॉपेज: यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, गंगपुर सिटी, बयाना, इंद्राह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज, ज्ञानपुर रोड, वाराणसी, और औडिहार स्टेशनों पर रुकेगी।

सिम बदल कर पुलिस को देता था चकमा, पकड़ाया



मीडिया ऑडिटर, सलामतपुर (निप्र)। सलामतपुर पुलिस ने 9 महीने तक चकमा देने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी गोवर्धन उर्फ गोलू राजपूत ने 16 जून 2025 को सलामतपुर के नजदीकी गांव की 15 वर्षीय नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा लिया था। इस दौरान बालिका गर्भवती हो गई। आरोपी लगातार लोकेशन बदलता रहा। 4-5 शहरों में फरारी काटता रहा। रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में बनी टीम ने साइबर सेल की मदद ली। टीम ने राजगढ़ जिले के ग्राम नलखेड़ा से घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ लिया। सोमवार को आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराया गया। उसे रायसेन न्यायालय में पेश किया गया।

तेज रफ्तार वाहन ने 2 साइकिल सवारों मारी टक्कर बुजुर्ग की मौत, युवक की हालत गंभीर, ग्रामीणों में आक्रोश



मीडिया ऑडिटर, सिवनी (निप्र)। सिवनी जिले के घंसीर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक सड़क हादसे में 64 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। इस दुर्घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिससे जबलपुर रेफर किया गया है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, ग्राम बरोदा माल निवासी अक्तर लाल कन्हैरिया (64) मंगलवार सुबह करीब 8 बजे रविंद्र कुलस्ते नामक युवक के साथ साइकिल से अपने घर लौट रहे थे। बरोदा पटरी ग्राम के समीप एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों साइकिल सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंचे।

गंभीर हालत में रेफर: तत्काल 108 एंबुलेंस की मदद से दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घंसीर ले जाया गया। वहां प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने अक्तर लाल कन्हैरिया को मृत घोषित कर दिया। रविंद्र कुलस्ते की गंभीर हालत को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जबलपुर रेफर किया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

हादसे की वजह रफ्तार: बताया जा रहा है कि यह हादसा वाहन चालक की लापरवाही और तेज गति के कारण हुआ। घटना के बाद आरोपी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और फरार वाहन चालक की तलाश कर रही है। इस घटना से ग्रामीणों में आक्रोश देखा जा रहा है। उनका कहना है कि इस मामले पर अक्सर तेज रफ्तार वाहन चलते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी बढ़ाने की मांग की है। घंसीर थाना प्रभारी लक्ष्मण झारिया ने बताया कि सड़क हादसे में एक वृद्ध की मौत और एक के गंभीर घायल होने की सूचना मिली थी। मर्ग कायम कर जांच की जा रही है और फरार वाहन व चालक की तलाश जारी है।

घर में घुसे बदमाशों ने दंपति को बंधक बनाया, मारपीट के दौरान व्यापारी की मौत, आभूषण लूटकर फरार हुए आरोपी

मीडिया ऑडिटर, धार (निप्र)। ग्राम गोंदीखेड़ा में देर रात बदमाशों ने घर में घुसकर दंपति को बंधक बनाया और बेरहमी से मारपीट की। विरोध करने पर आरोपियों ने व्यापारी की हत्या कर दी और आभूषण लूटकर फरार हो गए। जिले की सरदारपुर तहसील के ग्राम गोंदीखेड़ा चरण में देर रात सनसनीखेज चक्रेटी और हत्या की वारदात सामने आई है, जहां हथियारबंद बदमाशों ने एक व्यापारी के घर में घुसकर दंपति को बंधक बनाकर मारपीट की और विरोध करने पर व्यापारी की हत्या कर दी। बदमाश घर से लाखों रूपए के आभूषण लूटकर फरार हो गए। जानकारी के अनुसार राजोद थाना क्षेत्र के गोंदीखेड़ा चरण गांव में रात करीब 1 से 2 बजे के बीच मिर्ची व्यापारी देवकृष्ण पिता लक्ष्मण पुरोहित के घर अज्ञात बदमाशों ने धावा बोला। बदमाशों ने व्यापारी और उनकी पत्नी के साथ मारपीट की तथा व्यापारी को बंधक बना लिया। पत्नी को अलग कमरे में बंद कर आरोपी लगातार मारपीट करते रहे और घर का सामान अस्त-व्यस्त कर दिया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला किया, जिससे व्यापारी देवकृष्ण की मौत हो गई। घटना के बाद उनकी पत्नी ने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव का पोस्टमार्टम रिजिल अस्पताल सरदारपुर में कराया जा रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई थी। मामले की जांच के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। सुबह से एएसपी पारुल बेलापुरकर और एएसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद हैं। फॉरेंसिक टीम और डॉ.ग.स्वर्नाड की मदद से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। मौके पर जनप्रतिनिधि भी पहुंचे। सूचना मिलते ही कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस उप-महानिरीक्षक मयंक अवस्थी ने बताया कि गोंदीखेड़ा में हुई इस घटना के बाद पुलिस की टीम संचिंग में जुटी है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को रात्रि गश्त बढ़ाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मनचलों से तंग छात्रा ने खुद को लगाई आग, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती, 4 नाबालिगों पर केस दर्ज

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)। मनचलों की लगातार छेड़छाड़ से तंग आकर नौवीं की छात्रा ने आत्मदाह का प्रयास किया। घटना के बाद उसे गंभीर हालत में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि चारों आरोपी नाबालिग हैं। जिले के मालथीन थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां छेड़छाड़ और मारपीट से तंग आकर नौवीं कक्षा की एक 14 वर्षीय छात्रा ने अपने ऊपर डीजल डालकर आग लगा ली। गंभीर हालत में छात्रा को बुदिलखंड मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इस मामले में दो नामजद सहित चार नाबालिगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता के पिता के अनुसार आरोपी पिछले तीन महीनों से उनकी बेटी को परेशान कर रहा था। वह छात्रा के ही स्कूल में पढ़ता है और बस से आने-जाने के दौरान उसे प्रताड़ित करता था। आरोपी अक्सर छात्रा को फोन कॉल कर परेशान करता था। परिजनों ने पहले आरोपी को समझाने की कोशिश की थी लेकिन वह अपनी हकतों से बाज नहीं आया। परिजनों का आरोप है कि जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपी अपने तीन साथियों के साथ उनके घर के सामने पहुंच गया। वहां आरोपियों ने परिवार के साथ गाली-गलौज की और विरोध करने पर लात-घुंसों से मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग निकले। आरोपियों की प्रताड़ना और धमकी से डरी-सहमी छात्रा घर के अंदर गई और खुद पर डीजल डालकर आग लगा ली। चीख-पुकार सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे और चादर की मदद से आग बुझाई लेकिन तब तक छात्रा की गर्दन, छाती और दोनों हाथ बुरी तरह झुलस चुके थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मालथीन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। थाना प्रभारी नवीन जैन ने बताया कि दो नामजद और दो अन्य (कुल 4) आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं और एएससी-एएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिक जांच में चारों आरोपी नाबालिग बताए जा रहे हैं।

खरगोन में किसानों ने रास्ता खोलने की मांग की खुदाई से वाहन नहीं जाने के कारण खेत में फंसी फसल

मीडिया ऑडिटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन के ओझरा गांव के किसानों ने एक पुराने रास्ते को बंद किए जाने की शिकायत की है। किसानों का कहना है कि रास्ता संकरा होने के कारण खेतों में खड़ी तैयार फसल को बाहर निकालना मुश्किल हो गया है। किसानों के अनुसार, रास्ते के एक तरफ पत्थरों का ढेर लगा दिया गया है, जबकि दूसरी तरफ खुदाई कर दी गई है। इस वजह से रास्ता इतना संकरा हो गया है कि मिनी ट्रक और हार्वेस्टर जैसे बड़े वाहन खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। पहले इस रास्ते का उपयोग बड़े वाहनों के लिए आसानी से होता था, लेकिन अब केवल बैलगाड़ी ही निकल पाती है। किसानों ने कसरावद तहसीलदार को इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है और शौच कार्रवाई की मांग की है। उन्हें अधिकारियों द्वारा मौके का निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने का आश्वासन दिया गया है। किसान रुपेश पटेल ने बताया कि उनकी फसल खेतों में तैयार खड़ी है, लेकिन वाहनों की पहुंच न होने के कारण वे उपज को बाहर नहीं ला पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह रास्ता पीछियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। एक किसान ने मेड़ की तरफ पत्थर की पाल खड़ी कर दी है, जबकि एक अन्य किसान ने मेड़ किनारे 3 फीट चौड़ी और 2 फीट गहरी खुदाई कर दी है, जिससे रास्ता अवरूद्ध हो गया है।

वन विभाग ने बुरहानपुर में अवैध गोंद जल्ट किया लगातार दूसरे दिन मिली बड़ी खेप

आरक्षित वन कक्ष में छिपाकर रखी थी

मीडिया ऑडिटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर जिले में वन विभाग ने अवैध गोंद की तस्करी के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले दो दिनों में विभाग ने भारी मात्रा में सलई और धावड़ा गोंद जल्ट किया है। जिले में लंबे समय से धावड़ा और सलई गोंद निकालने, बेचने और परिवहन पर प्रतिबंध लगा हुआ है, लेकिन गोंद माफिया अभी भी सलई के पेड़ों को नुकसान पहुंचाकर गोंद निकाल रहे हैं। एक दिन पहले, खकनार रेंज के बोखेड़ा कक्ष क्रमांक आरएफ 310 से सलई गोंद का अवैध परिवहन करते हुए एक पिकअप वाहन जल्ट किया गया था। हालांकि, वाहन चालक मौके से फरार हो गया था। वन विभाग की टीम ने इस दौरान 845 किलोग्राम सलई गोंद बरामद किया था। सोमवार को 369

किलोग्राम गोंद बरामद की: हीं, सोमवार को वन विभाग को बुरहानपुर वन मंडल के बोदरली गांव के बारकोट के पास आरक्षित वन कक्ष क्रमांक 403 में धावड़ा गोंद छिपाकर रखने की सूचना मिली।

टीम तुरंत मौके पर पहुंची और झाड़ियों के बीच छिपाए गए 8 कट्टे धावड़ा गोंद जल्ट किए, जिसका कुल वजन 369 किलोग्राम है। बुरहानपुर के एसडीओ अजय सागर ने बताया कि इस मामले में आरोपियों की तलाश की जा रही है। इससे पहले, खंडवा सीसीएफ की ओर से गठित एक टीम ने भी बोरी गांव में दबिश देकर एक गोदाम से 780 किलोग्राम गोंद जल्ट किया था। इन लगातार कार्रवाइयों के बाद से वन विभाग जिले में सक्रियता से निगरानी और कार्रवाई कर रहा है।

नर्मदापुरम में एलपीजी गैस सिलेंडर की किल्लत पर प्रदर्शन कलेक्ट्रेट गेट पर रात में खाना बनाने बैठे युवक, बोले- सिलेंडर दिलवाएं



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। एलपीजी किल्लत और कालाबाजारी को लेकर नर्मदापुरम में युवक और कार्यकर्ताओं ने दिन में कलेक्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा। रात करीब 9.30 बजे छात्र कलेक्ट्रेट के सामने खाना बनाने पहुंचे। 15 से ज्यादा छात्र सब्जी, पोहा और खाना बनाने की अन्य सामग्री लेकर बैठ गए। सूचना मिलते ही तहसीलदार सरिता मालवीय और शक्ति तोमर मौके पर पहुंचे। एक घंटे तक समझाश दी। जिसके बाद मामला शांत कराया। मप्र आदिवासी विकास परिषद के छात्र प्रभाग ने आरोप लगाया कि तय कीमत करीब 900 रूपए होने के बावजूद 3500 से 4000 रूपए तक में

के लिए दीनदयाल रसोई में भोजन की व्यवस्था भी प्रस्तावित की, लेकिन छात्रों ने इसे ठुकरा दिया।

तहसीलदार ने कहा कि जिन जिन के पास नर्मदापुरम जिले के एलपीजी कनेक्शन है। वे अपनी बुक और डीएससी नम्बर लेकर मंगलवार को आए। जिन्हें दिखवाने के बाद सिलेंडर दिलवाने का आश्वासन दिया। तहसीलदार ने फिर दीनदयाल रसोई से खाना दिखवाने का कहा तो वहां मौजूद कांग्रेस नेता फैजान ने कहा सभी के खाने की व्यवस्था में कर्वा देता हूँ तो दीनदयाल रसोई का खाना ठुकराने वाले युवक तैयार हो गए और प्रदर्शन खत्म किया।

पति ने डंडे से पीटा, सिर-हाथ पर गंभीर चोट आई पन्ना में पत्नी के गाली देने से मना करने पर आरोपी ने किया विवाह

मीडिया ऑडिटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना में सिमरिया थाना क्षेत्र के बेहरपुरा सटवा गांव में शराब के नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी पर डंडे से पीटा। पति के वार से महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पीड़िता ने मंगलवार को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

नशे में धुत पति ने महिला से की गाली-गलौज: पीड़िता प्रभा अहिरवार (22) ने बताया कि उसकी शादी तीन साल पहले भागीरथ अहिरवार से हुई थी। भागीरथ शराब का आदी है और अक्सर घर में विवाद करता है। 27 मार्च को भागीरथ नशे में घर पहुंचा। प्रभा ने उसे खाना परोसा, जिसके बाद वह बिना किसी बात के गाली-गलौज करने लगा।



गाली देने से मना करने पर डंडे से पीटा: जब प्रभा ने गाली देने से मना किया, तो आरोपी पति और नाराज हो गया। उसने पास पड़ा डंडा उठाकर प्रभा के सिर, बाएं हाथ की कलाई और पैर पर कई बार किये। हमले में प्रभा को सिर से खून बहने लगा और उसके

हाथ में गंभीर चोट आई, जिस पर अब प्लास्टर चढ़ा है।

शोर सुनकर चाचा ससुर सुमेश और देवर रंजीत ने बीच-बचाव कर प्रभा की जान बचाई। जाते-जाते आरोपी ने प्रभा को अगली बार जान से मारने की धमकी भी दी।

मंदसौर में पुलिस ने जल्ट की 45 हजार की शराब आरोपी गिरफ्तार, 15 पेटी मिली, आबकारी एक्ट में केस दर्ज



मीडिया ऑडिटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 15 पेटी अवैध देशी शराब जल्ट की है। जल्ट शराब की अनुमानित कीमत करीब 45 हजार रुपये बताई जा रही है। एएसपी के निर्देश पर जिलेधर में अवैध नशे के कारोबार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को थाना शहर कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई, जिस पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने दबिश दी।

मुखबिर की सूचना पर हुई कार्रवाई: सोमवार को पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में आरोपी विजय कुमार पिता राजुचन्द्र भोंई (उम्र 31 वर्ष), निवासी बनिया

चौक भोंईवाड़ा, मंदसौर के कब्जे से 15 पेटी अवैध देशी शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज: मामले में थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 233/2026 दर्ज कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण कायम किया गया है। जल्ट मशरूका को विधिवत कब्जे में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

आरोपी को न्यायालय में किया जाएगा पेश: गिरफ्तार आरोपी विजय कुमार को माननीय न्यायालय में पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

छतरपुर जिला अस्पताल में एंबुलेंस में लगी आग इंजन के पास से उठीं लपटें, गार्ड ने फायर सिलेंडर से बुझाया

मीडिया ऑडिटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिला अस्पताल परिसर में खड़ी एक एंबुलेंस में अचानक आग लगने का मामला सामने आया है। घटना के दौरान अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग इधर-उधर भागने लगे। आग इतनी तेजी से बढ़ रही थी कि मौके पर मौजूद लोग घबराए हुए थे और किसी की हिम्मत नहीं हो रही थी कि एंबुलेंस के पास जाकर आग बुझाने की कोशिश करें। बताया जा रहा है कि आग एंबुलेंस के इंजन के पास, बोनट के अंदर की ओर से उठी हुई दिखाई दे रही थी। लोगों को इस बात का डर सता रहा था कि कहीं एंबुलेंस में विस्फोट न हो जाए, जिससे बड़ा हादसा हो सकता था। इसी डर के कारण काफी देर तक कोई भी व्यक्ति आग बुझाने के लिए आगे नहीं आया।

गार्ड की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा: इसी बीच अस्पताल का एक गार्ड मौके पर फायर एक्सटिंग्विशर (आग बुझाने वाला सिलेंडर) सिलेंडर लेकर पहुंचा और उसने हिम्मत दिखाते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। काफी मशकत के बाद आखिरकार आग पर काबू पा लिया गया। समय रहते आग बुझा लिए जाने और गार्ड की सतर्कता और साहस से बड़ा हादसा टल गया।

युवक-युवती से लूट के दो आरोपी गिरफ्तार गौरीदांत घूमने गए थे, जंगल में चाकू अड़ाकर छिने मोबाइल और 4 हजार रूपए

मीडिया ऑडिटर, सागर (निप्र)। सागर जिले के सुरखी थाना क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध गौरीदांत जंगल में युवक और उसकी महिला रिश्तेदार को अकेला पाकर लूट करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 4 अप्रैल को हुई इस वारदात में आरोपियों ने चाकू अड़ाकर पीड़ितों से एक मोबाइल और 4 हजार रूपए नकद लूट लिए थे। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर सोमवार को दोनों आरोपियों को दबोच लिया है। वर्तमान में पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल और नकद रूपए जल्ट कर उन्हें न्यायालय में पेश कर दिया है।

चाकू अड़ाकर लूटे थे 4 हजार नकद और मोबाइल: पुलिस के अनुसार, सागर निवासी



फरियादी अनुज नामदेव 4 अप्रैल को अपनी एक रिश्तेदार युवती के साथ जंगल के बीच स्थित प्रसिद्ध क्षेत्र गौरीदांत में दर्शन करने गया था। जब वे गौरीदांत पहुंचे, तभी उन्हें सुनसान इलाके में अकेला पाकर दो युवकों ने पकड़ लिया। आरोपियों ने चाकू अड़ाकर

धमकाया और उनका मोबाइल सहित चार हजार रूपए नकद लूट लिए। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर पकड़े गए दोनों आरोपी: वारदात के बाद फरियादी अनुज ने

सुरखी थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया और आरोपियों की तलाश शुरू की। साइबर सेल की मदद से लूटे गए मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कराई गई। लोकेशन के आधार पर पुलिस ने सोमवार को दबिश देकर आरोपी चंदन सुब्बा (निवासी टंकी मोहल्ला, सुरखी) और छोटू रैकवार (निवासी काकागंज, सागर) को पकड़ लिया।

पूछताछ में वारदात कबूली, टीम में थे रहे शामिल: थाने लाकर जब दोनों आरोपियों से पूछताछ की गई, तो उन्होंने वारदात करना स्वीकार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल और नकद रूपए जल्ट कर लिए गए हैं। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।

आईपीएल 2026 :

मुंबई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं राजस्थान रॉयल्स के ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 के 13वें मुकाबले में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की भिड़त गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) से होनी है। आरआर ने इस सीजन खेले अब तक दोनों ही मुकाबलों में जीत दर्ज की है। वहीं, एमआई को आखिरी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। इस मुकाबले में आरआर के ये 5 खिलाड़ी एमआई के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। वैभव सूर्यवंशी- आईपीएल 2026 में

वैभव सूर्यवंशी अब तक खेले दोनों ही मुकाबलों में शानदार लय में दिखाई दिए हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ उन्होंने 17 गेंदों में 52 रनों की दमदार पारी खेली थी, तो गुजरात टाइटंस के खिलाफ 18 गेंदों में 31 रन बनाए। वैभव पावरप्ले में अपनी तूफानी बल्लेबाजी के दम पर मुंबई इंडियंस की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज अगर क्रीज पर टिक गया, तो राजस्थान रॉयल्स की टीम बड़ा टोटल खड़ा कर सकती है। यशस्वी जायसवाल- वैभव सूर्यवंशी के सलामी

जोड़ीदार यशस्वी जायसवाल भी कमाल की फॉर्म में नजर आए हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में उन्होंने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 36 गेंदों में 55 रनों की दमदार पारी खेली थी। आईपीएल 2026 में खेले अब तक दोनों ही पारियों में यशस्वी की बल्लेबाजी में आक्रामक अंदाज के साथ-साथ सुझबूझ भी नजर आई है, और इसी कारण वह एमआई के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। ध्रुव जुरेल- गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में ध्रुव

जुरेल ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से हर किसी को खासा प्रभावित किया था। जुरेल ने सिर्फ 42 गेंदों का सामना करते हुए 75 रनों की दमदार पारी खेली थी। जुरेल ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने के साथ-साथ पारी को बुनने की काबिलियत भी रखते हैं। नंबर तीन की बल्लेबाजी पोजीशन जुरेल को खूब रास भी आई है। रवि बिश्नोई- राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाज रवि बिश्नोई ने आखिरी मुकाबले में शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट निकाले थे। बिश्नोई अपनी

घूमती गेंदों के दम पर मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों का सिरदर्द बढ़ा सकते हैं। विकेट निकालने के साथ-साथ बिश्नोई आरआर के घरेलू मैदान पर बीच के ओवर्स में रनों पर लगाम भी लगा सकते हैं। वह 2 मुकाबलों में 5 विकेट के साथ इस सीजन सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। जाफा आर्चर- राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर अब तक खेले 2 मुकाबलों में अपनी छाप छोड़ने में सफल रहे हैं।



अभय सिंह को एल गौना स्कैश ओपन के दूसरे दौर में मिली हार

एल गौना (मिस्त्र), एजेंसी। भारत के अभय सिंह को पीएसए प्लेटिनम स्तर के टूर्नामेंट एल गौना ओपन के दूसरे दौर में मिस्त्र के यूसुफ इब्राहिम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। इब्राहिम ने एक बार फिर अपने बाएं कंधे की चोट से जूझते हुए अभय को पांच गेम में 3-2 (68 मिनट में 7-11, 11-9, 9-11, 11-5, 11-8) से हराया। इससे पहले, अभय ने पहले दिन पुरुषों के शुरुआती राउंड में मिस्त्र के वर्ल्ड नंबर 13 अली अबू एलेन को 9-11, 11-8, 3-11, 11-4, 11-8 से हराया था। वहीं, खेल के तीसरे दिन वर्ल्ड नंबर 4 करीम गवाद ने अपने हमवतन मिस्त्र के यूसुफ सोलिमान के साथ 109 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की। यह 2013 के बाद से पीसीए स्कोर टूर पर गवाद का सबसे लंबा मैच था। 34 साल के गवाद ने अपना संयम बनाए रखा और 1-2 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए वर्ल्ड नंबर 12 को 5-11, 14-12, 8-11, 11-8, 11-9 के स्कोर से हरा दिया। इस बीच, विश्व के नंबर 2 खिलाड़ी पॉल कोल ने मलेशिया के नंबर एक



खिलाड़ी ईन यो एनजी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए 11-7, 11-2, 11-8 से जीत दर्ज की और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उनका अगला मुकाबला यूसुफ इब्राहिम से होगा। विश्व रैंकिंग में नंबर 8 पर मौजूद मोहम्मद जकारिया ने जोएल मैकिन के साथ अपना दबदबा कायम रखा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली हार का बदला लेते हुए नंबर 5 वरीयात

प्रास खिलाड़ी के खिलाफ सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज की। 18 साल के वर्ल्ड जूनियर चैंपियन ने ब्रिटिश नेशनल चैंपियन मैकिन को 11-6, 11-5, 11-5 से हराया। महिलाओं के वर्ग में वर्ल्ड नंबर 2 नूर एलशेरबिनी शानदार फॉर्म में दिखीं। उन्होंने मेलिसा अल्वेस को हराकर आसानी से क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। 8 बार की वर्ल्ड चैंपियन ने मैच की शुरुआत से लेकर आखिरी पॉइंट तक सटीक और शानदार प्रदर्शन किया और 11-3 के स्कोर के साथ आसानी से अंतिम आठ में प्रवेश किया। एलशेरबिनी ने मेलिसा अल्वेस को 11-3, 11-7 से हराया। एक अन्य मैच में दुनिया की नंबर 4 खिलाड़ी ओलिविया वीवर ने मिस्त्र की खिलाड़ी फरीदा मोहम्मद के खिलाफ मैच खेला। शुरुआत में फरीदा ने अच्छे खेल दिखाया, लेकिन ओलिविया ने वापसी की और मैच चार गेम में 3-1 से जीत लिया। ओलिविया ने 43 मिनट तक चले मुकाबले में फरीदा को 8-11, 11-8, 11-4, 11-8 से हराते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

फिटनेस की वजह से नसीम शाह को लग सकती है फटकार, पीएसएल से हटे तेज गेंदबाज

मुंबई, एजेंसी। नसीम शाह के लिए मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर एक राजनेता को लेकर टिप्पणी करने के कारण भारी जुर्माना झेल चुके इस युवा तेज गेंदबाज पर अब फिटनेस को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट ने सोमवार को दावा किया है कि नसीम शाह लंबे समय से फिटनेस समस्याओं से जूझ रहे हैं और इसी वजह से उन्हें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बाकी मुकाबलों से बाहर किया जा सकता है। अगर ऐसा होता है, तो यह उनके लिए एक और बड़ा झटका होगा, क्योंकि पहले ही विवाद और अब फिटनेस मामले के कारण उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। यह मामला आगे और तूल पकड़ सकता है, खासकर तब जब टीम मैनेजमेंट और बोर्ड उनकी फिटनेस और



प्रोफेशनल रवैये पर सख्त रुख अपना सकते हैं। सूत्रों ने टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट को बताया, गुरुवार को कराची क्रिकेट के खिलाफ रावलपिंडी के मैच के दौरान नसीम को साइड स्टेन आ गया था और वह टीम का पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, जिससे उनकी फिटनेस पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पाकिस्तान के 23 वर्षीय तेज गेंदबाज को टी20 वर्ल्ड कप के निराशाजनक अभियान के आखिरी मैच में चोट लग गई थी, जिसके बाद उन्हें बांग्लादेश के आगामी दौर से बाहर कर दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, नसीम की फिटनेस और व्यवहार दोनों ही सवालों के भेरे में

रहे हैं, जिससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी और मेडिकल पैनल नाराज हैं। संभावना है कि उन्हें इन दोनों ही मुद्दों के लिए फटकार लगाई जाएगी और उन्हें मेडिकल पैनल की देखरेख में एक लंबा रिहैब प्रोग्राम पूरा करना होगा। इस युवा तेज गेंदबाज ने अपने करियर की शुरुआत कुछ शानदार प्रदर्शनों के साथ की थी, उन्होंने 2020 में बांग्लादेश के खिलाफ हैट्रिक ली थी और टी20 विश्व कप 2022 में भी उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा था। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट ने सूत्रों के हवाले से कहा, नसीम के करियर की रफ्तार उनके मैदान के बाहर के व्यवहार, और विज्ञापनों तथा पॉडकास्ट पर उनके अत्यधिक ध्यान देने की वजह से धीमी पड़ गई है, जिससे उनका करियर पट्टी से उतर गया है। फिटनेस की समस्याओं के कारण

वह 2023 का वनडे वर्ल्ड कप भी नहीं खेल पाए थे, जो उनके करियर पर एक दाग की तरह है। नसीम अगले कुछ दिनों में डॉ. जावेद मुगल की अध्यक्षता वाले मेडिकल पैनल के सामने पेश होंगे, क्योंकि चयन समिति भी उनकी बार-बार होने वाली फिटनेस की समस्याओं से खुश नहीं है। पिछले महीने, नसीम पर पाकिस्तान क्रिकेट के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा जुर्माना लगाया गया, जो करीब 72,000 यूएस डॉलर था। इस तेज गेंदबाज ने एक ट्वीट में पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज की आलोचना की थी। नसीम ने शुरू में कहा कि उनका अकाउंट हैक हो गया था, जिसे पीसीबी ने स्वीकार नहीं किया। दो दिन बाद, पीसीबी ने जुर्माना लगाने से पहले उन्हें एक कारण बताओ नोटिस भेजा।

अच्छी बात है कि राजनीति में महिलाओं को स्वीकार करने की तैयारी है : अंजू बाँबी

नई दिल्ली, एजेंसी। लंबी कूद की पूर्व खिलाड़ी और भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अंजू बाँबी जॉर्ज ने महिला आरक्षण बिल के लिए नए सिरे से हो रही कोशिश का स्वागत किया है। उन्होंने इसे नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बताया। इसके साथ ही खेल जगत के लिए इसके संभावित फायदों पर भी चर्चा की। अंजू बाँबी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब केंद्र सरकार ने संसद के मौजूदा बजट सत्र को आगे बढ़ाने का ऐलान किया है। इसका मकसद 2029 के आम चुनाव से लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया को तेज करना है। इस घटनाक्रम पर बात करते हुए अंजू ने जोर देकर कहा कि यह कदम



महिलाओं के सशक्तीकरण और नेतृत्व की भूमिकाओं में उनकी भागीदारी को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं के अनुरूप है। अंजू बाँबी जॉर्ज ने आईएनएस से कहा, यह अच्छी बात है कि महिलाओं को भी आरक्षण मिल रहा है। हम हमेशा महिला सशक्तीकरण की बात करते हैं, लेकिन यह अच्छी बात है कि राजनीति में भी वे महिलाओं को स्वीकार करने को तैयार हैं। कम से कम 33 फीसदी तो जरूर।

उन्होंने यह भी बताया कि खेल समेत अलग-अलग क्षेत्रों से ज्यादा लोगों के आने से नीति-निर्माताओं और जमीनी स्तर पर काम करने वाले लोगों के बीच की खाई को पाटने में मदद मिल सकती है। उचित प्रतिनिधित्व के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विधायी निकायों में महिलाओं की मजबूत मौजूदगी से यह सुनिश्चित होगा कि उनकी चिंताओं को ज्यादा असरदार तरीके से सुना जाए। उन्होंने कहा, अगर कोई खेल जगत से आकर हमारा प्रतिनिधित्व करता है, तो हमारे लिए अधिकारियों से जुड़ना आसान हो जाता है। और वे खेल जगत के लिए भी कुछ अच्छे कर सकते हैं। वे ही तो नीति-निर्माता होते हैं। इसी कारण अगर हमारा प्रतिनिधित्व उचित संख्या में होगा, तो हमारी आवाज भी सुनी जाएगी।

सब-जूनियर विमेंस नेशनल हॉकी: छठे दिन चंडीगढ़, कर्नाटक, मिजोरम, हरियाणा, ओडिशा ने जीते मुकाबले

रांची, एजेंसी। 16वीं हॉकी इंडिया सब-जूनियर विमेंस नेशनल चैंपियनशिप 2026 के छठे दिन, डिवीजन बी में दादरा नगर हवेली और दमन दीव, चंडीगढ़ और कर्नाटक की टीमों ने जीत हासिल की, जबकि डिवीजन ए में मिजोरम, हरियाणा, ओडिशा और झारखंड की टीमों ने अपने-अपने मैच जीते। सोमवार को दिन के पहले मैच में, दादरा नगर हवेली और दमन दीव हॉकी ने अपने पूल ए, डिवीजन बी के मुकाबले में हॉकी यूनिट ऑफ तमिलनाडु को 1-0 से हराया। विजेता टीम के लिए तीसरे क्वार्टर में अनुष्का गुप्ता (41) ने विजयी गोल दागा। दिन के दूसरे मैच में, हॉकी चंडीगढ़ ने अपने पूल बी, डिवीजन बी के मुकाबले में हॉकी हिमाचल को



4-1 से मात दी। अनु (7, 14, 52) ने हैट्रिक लगाई, जबकि रानी राधा (42) ने भी हॉकी गुजरात पर 6-1 से शानदार जीत दर्ज की। हॉकी कर्नाटक के योगदान दिया। हॉकी हिमाचल के लिए एकमात्र गोल खुशवंदर गिल (44) ने दागा। दिन के तीसरे मुकाबले में,

आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने वाले 6 अंपायर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन का आगाज 28 मार्च से हो गया है। आइए, आपको उन 5 अंपायर्स के नाम बताते हैं, जिन्होंने इस लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा मुकाबलों में अंपायरिंग की है। अनिल चौधरी- आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा मुकाबलों में अंपायरिंग करने का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से अनिल चौधरी के नाम है। भारतीय मूल के अंपायर अनिल ने इस लीग में अब तक कुल 131 मुकाबलों में अंपायरिंग की है। वह इंडियन प्रीमियर लीग में साल 2012 से अंपायरिंग कर रहे हैं। सुंदरम रवि- आईपीएल में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने वाले अंपायर्स की लिस्ट में सुंदरम रवि भी संयुक्त रूप से नंबर एक पर काबिज हैं। सुंदरम ने इस लीग के इतिहास में कुल 131 मुकाबलों में अंपायरिंग की है।



उन्होंने साल 2009 में पहली बार आईपीएल में अंपायरिंग की थी, जबकि उनका आखिरी मुकाबला साल 2021 में रहा था। नितिन मेनन- इंडियन प्रीमियर के इतिहास में सबसे ज्यादा मुकाबलों में अंपायरिंग करने के मामले में दूसरे नंबर पर नितिन मेनन का नाम है। मेनन बतौर अंपायर इस लीग में पहली बार साल 2016 में नजर आए थे। वह अभी तक कुल 113 आईपीएल

मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं। कुमार धर्मसेना- श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर कुमार धर्मसेना आईपीएल में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने वाले अंपायर्स की सूची में तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। वह इस लीग में अब तक कुल 100 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं। धर्मसेना ने आईपीएल में पहली बार अंपायरिंग साल 2009 में की थी। चेन्नई थोडी शमशुदीन- आईपीएल में सर्वाधिक मुकाबलों में अंपायरिंग करने के मामले में चेन्नई थोडी शमशुदीन चौथे नंबर पर काबिज हैं। वह इस लीग में साल 2012 से अंपायरिंग कर रहे हैं और अब तक कुल 89 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं। क्रिस गैफनी- न्यूजीलैंड के क्रिस गैफनी आईपीएल में अब तक कुल 83 मुकाबलों में अंपायरिंग कर चुके हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 114 आवेदकों की समस्याएं, समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 114 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनमें भूमि विवाद राजस्व रिकॉर्ड में सुधार सिंचाई की समस्या बिजली-पानी की उपलब्धता सड़क निर्माण पेंशन छत्रवृत्ति आवास योजना सहित विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से शामिल रही। कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने



प्रत्येक आवेदक की समस्या को ध्यानपूर्वक सुना और अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर तय समय-सीमा में सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आम नागरिकों की समस्याओं का वरित समाधान

करना है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे मौके पर जांच कर वास्तविक स्थिति का आकलन करें और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। जनसुनवाई के दौरान कई ऐसे

मामले भी सामने आए जिनमें आवेदकों ने लंबे समय से लंबित समस्याओं की शिकायत की। इस पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को कड़ी फटकार लगाते हुए शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाएं आमजन के लिए हैं और इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक



पहुंचना चाहिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुभाष मिश्रा ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे, जिन्होंने मौके पर ही कई मामलों का निराकरण किया और शेष प्रकरणों के लिए समय-सीमा

निर्धारित की गई। जनसुनवाई में पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं, जिससे उन्हें त्वरित समाधान की उम्मीद जगी। प्रशासन द्वारा इस प्रकार की नियमित जनसुनवाई से आमजन को राहत मिल रही है और शासन-प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत हो रहा है।

सतना नगर निगम को मिलेगी जल आपूर्ति के क्षेत्र में बड़ी सौगात, शिलान्यास 8 अप्रैल को

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। नगर निगम की जनता को जल आपूर्ति के क्षेत्र में एक नई सौगात मिलने जा रही है। महापौर योगेश ताम्रकार जी के अथक प्रयासों से आदित्य इंजीनियरिंग कॉलेज के पास जिगनहट में 42 करोड़ रुपये (4137.00 लाख) की लागत से एक नया एनोकेट (जल आपूर्ति संरचना) बनेगा, जिसका शिलान्यास 8 अप्रैल को सुबह 10 बजे जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जी द्वारा किया जाएगा इस नए एनोकेट के निर्माण से नगर निगम क्षेत्र की जनता को एक बड़ी राहत मिलेगी। अब तक जहाँ लोगों को पानी केवल एक बार उपलब्ध होता था, वहीं इस नए एनोकेट के बन जाने से दो बार जल आपूर्ति की सुविधा मिल सकेगी महापौर योगेश ताम्रकार जी के प्रयासों से यह परियोजना पूरी होगी जिससे नगर निगम के जल आपूर्ति व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और लोगों को बेहतर जल सुविधाएं प्राप्त होंगी भारतीय



जनता पार्टी के जिला मीडिया प्रभारी अतुल सिंह परिहार ने महापौर योगेश ताम्रकार जी की इस उपलब्धि को सराहते हुए कहा 'योगेश ताम्रकार जी ने अपने अथक प्रयासों से नगर निगम क्षेत्र में जल आपूर्ति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं यह परियोजना उनकी मेहनत और नेतृत्व का परिणाम है जिससे शहरवासियों को बहुत फायदा होगा हम उम्मीद करते हैं कि महापौर जी शहर की जनता के लिए इसी तरह विकास के नए आयाम स्थापित करते रहेंगे इस शिलान्यास के साथ ही सतना नगर निगम के जल आपूर्ति के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत होने जा रही है, जिसे लेकर क्षेत्रीय जनता में खुशी का माहौल है।

मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस ने नियुक्त किए नये पदाधिकारी, सतना से भी पदाधिकारियों का चयन

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सु अलका लांबा जी मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस प्रभारी सु ममता चन्द्राकर जी सह प्रभारी ममता वशिष्ठ जी मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी एवं मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बीरासी सेतिया जी की अनुशंसा पर प्रदेश पदाधिकारियों की पहली सूची जारी की गई है इस सूची में सतना जिले से महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में गीता सिंह परिहार, आरती सिंह, हेमलता सिंह हेमा, प्रभा भारी और दीपा मिश्रा को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है। इन नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को जिलेवासियों ने बधाई दी सतना जिले के प्रमुख कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। इनमें जिला महामंत्री एडवोकेट मुख्तार अहमद सिद्दीकी, जिला महामंत्री विनोत सिंह बिनु भैया,



गजेन्द्र सिंह परिहार (प्रदेश उपाध्यक्ष), किशन कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र सिंह, रोहिणी लोधी, मुग्द सिंह मंटू, किशन कांग्रेस प्रदेश कोऑर्डिनेटर विनोद कुशवाहा, जनपद सदस्य सीमा मनीष बागरी, गुरवेंद्र सिंह सिंहपुर, और कई अन्य नेताओं ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं सभी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के नेतृत्व को सराहा और उम्मीद जताई कि वे महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के लिए नए आयाम स्थापित करेंगे। महिला कांग्रेस की नई कार्यकारिणी में नये चेहरे इस दिशा में और भी सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेंगे।

सीईओ जिला पंचायत ने की एचपीवी वैक्सिनेशन अभियान की वर्चुअल समीक्षा

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। एचपीवी वैक्सिनेशन अभियान को गति देने के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेंद्र सिंह ने मैहर जिले के अमरपाटन एवं सतना जिले के उचेहरा जनपद पंचायतों एवं नगर परिषदों में चले रहे एचपीवी वैक्सिनेशन कार्य की वन-टू-वन वर्चुअल समीक्षा की सीईओ जिला पंचायत शैलेंद्र सिंह ने डीपीओ, डीईओ डीपीसी को निर्देश दिए गए हैं कि प्रतिदिन का टारगेट तय करके व उसके विरुद्ध उपलब्ध की स्वयं समीक्षा करें और कही भी समस्या होने पर तत्काल अवगत कराए। वीसी में जनपद पंचायत अमरपाटन उचेहरा के सीईओ व नगर परिषद के अधिकारी, डीईओ,



बीईओ, डीपीसी, बीआरसी, डीपीओ, सीडीपीओ, सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक शामिल हुए। बैठक के दौरान सीईओ जिला पंचायत ने दोनों विकासखंडों में टीकाकरण की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप उपलब्ध तथा मैदानी स्तर पर आ रही समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश

दिए कि एचपीवी टीकाकरण अभियान को मिशन मोड में चलाते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। सीईओ ने कहा कि एचपीवी वैक्सिनेशन किशोरियों के स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए किसी भी पात्र लाभार्थी को इससे वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं आशा एवं एएनएम को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश देते हुए घर-घर संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुछ क्षेत्रों में जागरूकता की कमी के कारण टीकाकरण की गति अपेक्षित नहीं है। इस पर सीईओ ने निर्देशित किया कि स्कूलों ग्राम सभाओं एवं जनसंपर्क के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्वप्रतिनिधियों एवं समुदाय के सहयोग से अभियान को और प्रभावी बनाया जा सकता है। सीईओ जिला पंचायत ने अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने, डेटा अपडेट रखने तथा दैनिक प्रगति की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

गौशाला में घुसा तेंदुआ, गाय का शिकार वन विभाग ने बढ़ाई गश्त; पिंजरा लगाएगा वन विभाग

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के उचेहरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत कुशला बीट क्षेत्र के रामपुरवा धाम स्थित एक गौशाला में सोमवार रात करीब 12 बजे तेंदुआ ने घुसकर एक गाय का शिकार कर लिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस और वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। वर्तमान में वन विभाग ने क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी है और तेंदुआ की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कैमरा ट्रैप लगाने के साथ-साथ पिंजरा स्थापित करने की तैयारी की जा रही है। दिन में भी खेतों और बस्तियों में नजर आ रहा तेंदुआ पिछले कुछ दिनों से कुशला बीट के आसपास के कई गांवों में तेंदुआ शिकार जानवरों का लगातार शिकार किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ अब दिन के समय भी खेतों और

बस्तियों के आसपास देखा जा रहा है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है और उनकी चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है ताकि इस दहशत को खत्म किया जा सके वन विभाग की सलाह- रात में अकेले बाहर न निकलें मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई है। विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने रात में अकेले बाहर न निकलने और मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर रखने की सलाह दी है। तेंदुआ को पकड़ने के लिए वन विभाग द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं रेंजर सचिन नामदेव ने मामले की जांच करीब 12 घंटे तक की जा रही है। दिन में भी खेतों और बस्तियों में नजर आ रहा तेंदुआ पिछले कुछ दिनों से कुशला बीट के आसपास के कई गांवों में तेंदुआ शिकार जानवरों का लगातार शिकार किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ अब दिन के समय भी खेतों और

जनसुनवाई में 44 आवेदनों पर हुई सुनवाई, कलेक्टर ने आत्मीयता से सुनी समस्याएं

मीडिया ऑडिटर, मैहर (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर सभाकक्ष मैहर में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर रानी बाटंड ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 44 आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुना। जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने सभी आवेदकों को अपने समक्ष सम्मानपूर्वक कुर्सी पर बैठाकर उनकी समस्याएं



सुनीं, जिससे आमजन में प्रशासन के प्रति विश्वास और संतोष का माहौल देखने को मिला जनसुनवाई में जिले के अलग-अलग अंचलों से पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सामूहिक समस्याएं रखीं। इनमें मुख्य रूप से राजस्व संबंधी मामले भूमि विवाद, शासकीय योजनाओं का लाभ न मिलना पेयजल बिजली सड़क पेंशन और अन्य जनकल्याणकारी

योजनाओं से जुड़ी शिकायतें शामिल रहीं। कलेक्टर रानी बाटंड ने प्रत्येक आवेदन को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित और प्रभावी निराकरण के निर्देश दिए कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई आम जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, जिसके जरिए लोगों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाता है।

पं. सुनील मिश्रा कांग्रेस परिवहन प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त, जताया आभार

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के टूक एसोसिएशन के अध्यक्ष पं. सुनील मिश्रा को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के परिवहन प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पं. सुनील मिश्रा के समर्पण, मेहनत और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता को देखते हुए की गई है पं. मिश्रा ने इस पद की जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र सिंह पांडे, जिला अध्यक्ष और विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, डब्ल्यू भाई सहित सभी पार्टी के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह पद उन्हें जो विश्वास दिया गया है, वह उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाता है। वह पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने और जनहित में काम करने के लिए सदैव तत्पर



रहेंगे इस नियुक्ति को लेकर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी का माहौल है। पं. मिश्रा के नेतृत्व में पार्टी को और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। समर्थक मानते हैं कि पं. मिश्रा अपनी नई भूमिका में परिवहन क्षेत्र से संबंधित मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाएंगे और प्रदेशभर में कांग्रेस पार्टी के लिए जनसमर्थन बढ़ाएंगे पं. सुनील मिश्रा की कार्यशैली और संगठन के प्रति उनके समर्पण को देखकर यह निश्चित माना जा रहा है कि उनकी नियुक्ति से कांग्रेस पार्टी को प्रदेशभर में फायदा होगा।

4 वर्षीय नातिन की हत्या के प्रयास में नाना गिरफ्तार पटाई कर खेत में फेंका, फिर खुद दर्ज कराई गुमशुदगी की रिपोर्ट

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के उचेहरा थाना क्षेत्र के इचौल गांव में 4 साल की नातिन की बेरहमी से पिटाई कर उसे खेत में फेंकने के आरोप में पुलिस ने सोमवार को 48 वर्षीय नाना आशाराम कुशवाहा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी 4 अप्रैल को शाम बच्ची को खेत में ले गया था और मारपीट कर उसे बेहोशी की हालत में छोड़कर खुद थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करा दी थी लगभग 12 घंटे बाद खेत में मिली बच्ची ने अस्पताल में इलाज के बाद कोर्ट में दिए बयान में नाना की करतूत का खुलासा किया। वर्तमान में बच्ची का जिला अस्पताल में इलाज जारी है और पुलिस ने दर्ज प्रकरण में हत्या के प्रयास



की धाराएं बढ़ा दी हैं मां की मौत और पिता के जेल जाने के बाद ननिहाल में रह रही थी पुलिस के अनुसार, मासूम नायरा उर्फ पलक की मां ने एक साल पहले ससुराल में प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद बच्ची के सौतेले पिता को दहेज हत्या के आरोप में जेल भेज दिया गया था। माता-पिता के न होने के कारण नायरा अपने नाना-नानी

के साथ इचौल गांव स्थित ननिहाल में ही रह रही थी। खेत में ले जाकर पीटा, फिर थाने में दर्ज कराई झूठी रिपोर्ट 4 अप्रैल को शाम को आरोपी नाना आशाराम कुशवाहा किसी बात से नाराज होकर बच्ची को बहाने से खेत पर ले गया। वहां उसने जान लेने के इरादे से नायरा की बेरहमी से पिटाई की और उसे बेहोशी की हालत में खेत में छोड़कर घर लौट आया।

राष्ट्र सेविका समिति का प्रारंभिक वर्ग संपन्न, 150 शिक्षार्थियों ने लिया भाग

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। विश्व का सबसे बड़ा महिला संगठन राष्ट्र सेविका समिति का प्रारंभिक वर्ग स्थानीय सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माधवपुरम नागोद में 29 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 23 विभिन्न स्थानों से 150 शिक्षार्थी बहनों ने भाग लिया इस आयोजन का उद्देश्य बहनों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना था जिससे वे आत्मनिर्भर सशक्त और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझ सकें प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न शारीरिक मानसिक और बौद्धिक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। दंड युद्ध लेजियम आचार्य पद्धति, बौद्धिक विकास जैसे विषयों पर प्रबुद्ध जनों ने विस्तार से जानकारी दी और बहनों को इन विषयों में दक्ष बनने के लिए



प्रेरित किया इन प्रशिक्षणों का उद्देश्य उन्हें मानसिक रूप से मजबूत और शारीरिक रूप से सक्षम बनाना था ताकि वे समाज के विभिन्न पहलुओं में योगदान दे सकें 3 अप्रैल को इस प्रशिक्षण वर्ग के शिक्षार्थियों द्वारा नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए घोष वंदन सहित एक भव्य संचलन

निकाला गया। यह संचलन नगरवासियों के लिए एक अभूतपूर्व दृश्य था जिसमें अनुशासन और एकता की भावना प्रमुख रूप से देखने को मिली। स्थानीय नागरिकों ने इस संचलन का स्वागत करते हुए बहनों पर पुष्पवर्षा की। संचलन का अनुशासन नगर में चर्चा का

विषय बना और यह स्पष्ट हुआ कि राष्ट्र सेविका समिति द्वारा दिए गए प्रशिक्षण का प्रभाव बहनों में पूरी तरह से दिख रहा था। कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रांतीय अधिकारी माननीय भाग्य नातू जी प्रांत सः कार्यवाहिका ताई ने उपस्थित होकर वर्ग के महत्व और भविष्य



के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को महिला सशक्तिकरण और सामाजिक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम समाज में जागरूकता फैलाने और महिलाओं को उनके अधिकारों

और जिम्मेदारियों के प्रति सजग करने में मदद करते हैं। यह कार्यक्रम राष्ट्र सेविका समिति की महिलाओं के प्रति समाज में जागरूकता और सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, और इसके माध्यम से सशक्त महिलाएं समाज में नई दिशा देने के लिए तैयार हैं।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आजीवन कारावास की सजा से दण्डित 87 बंदियों की होगी

मीडिया ऑडिटर, सतना (निप्र)। म.प्र. शासन, जेल विभाग के आदेश 27 मई 2025 द्वारा प्रदेश की जेलों में निरुद्ध अच्छे आचरण वाले बंदियों को वर्ष में 05 अक्सरों यथा 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस), 14 अप्रैल (डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती), 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस), 02 अक्टूबर (महात्मा गांधी जयंती) एवं 15 नवम्बर (राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस) पर आजीवन कारावास के दण्डित बंदियों को उनकी सजा में छूट प्रदान कर समयपूर्व रिहाई एवं सजा में छूट/विशेष परिहार दिये जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती 14 अप्रैल, 2026 के अवसर पर प्रदेश की जेलों में निरुद्ध अच्छे आचरण वाले आजीवन

कारावास की सजा से दंडित 87 बंदियों की समय-पूर्व रिहाई एवं गैर-आजीवन कारावास की सजा से दंडित 07 बंदियों को सजा में छूट/विशेष परिहार प्रदान किया जा रहा है गत 26 जनवरी, 2026 को भी 94 दंडित बंदियों को समय-पूर्व रिहाई/सजा में छूट प्रदाय की गई थी शासन आदेश के माध्यम से उक्तानुसार 05 अक्सरों पर दंडित बंदियों को समय-पूर्व रिहाई/सजा में छूट प्रदाय किये जाने से, बंदियों के द्वारा जेल में अच्छे आचरण किया जाता है, जिससे जेलों में प्रशासनिक व्यवस्था अच्छी रहती है, बंदियों को जेल से छूटने के बाद पुनर्वास में आसानी होती है। साथ ही इससे जेलों में ओवरलोडिंग में भी कमी आती है।